● वर्ष-3
● अंक-145
रायपुर, गुरुवार
25 जनवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› 2500 सालों तक राम मंदिर पर...

साय कैबिनेट का बड़ा फैसला

छत्तीसगढ़ में नहीं खुलेगी एक भी नई शराब दुकान

● बजट पर भी चर्चा ● राज्यपाल के अभिभाषण भी किया अनुमोदन ● जिला जजों के पदनाम बदलेंगे

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित

हुई। बैठक में आगामी वर्ष के लिए आबकारी नीति के संबंध में महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। यह निर्णय लिया गया है कि कोई भी नई मदिरा दुकान नहीं खोली जाएगी। प्रदेश में शराब घोटाले को लेकर भूपेश सरकार की आबकारी नीति की बड़ी चर्चा थी। छत्तीसगढ़ आबकारी नीति वित्तीय वर्ष 2024-25 का अनुमोदन किया गया है।

पांच फरवरी से शुरु हो रहे छत्तीसगढ़ के षष्ठम् विधानसभा के द्वितीय सत्र में विष्णुदेव सरकार का पहला बजट प्रस्तुत किया जाएगा। इसको लेकर मंत्रिपरिषद मे चर्चा हुई। सत्र को लेकर भी मंत्रिमंडल की बैठक में विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के पहले दिन राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन का अभिभाषण होना है। मंत्रिमंडल की बैठक में राज्यपाल के अभिभाषण को अनुमोदित किया गया।

इस वर्ष लोकसभा चुनाव को देखते हुए बजट फरवरी माह में पारित हो जाएगा, लेकिन इस वित्तीय वर्ष की शेष अवधि के लिए तृतीय अनुपूरक अनुमान वर्ष 2023-2024 का विधानसभा में उपस्थापन हेतु छत्तीसगढ़ विनियोग विधेयक-2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। बजट अनुमान वर्ष 2024-25 का विधानसभा में उपस्थापन के लिए छत्तीसगढ़ विनियोग विधेयक-2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

छत्तीसगढ़ सिविल न्यायालय (संशोधन) विधेयक-2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया है। इस संशोधन में जिला न्यायाधीश को प्रधान जिला न्यायाधीश और अपर जिला न्यायाधीश को जिला न्यायाधीश करने का प्रावधान रखा गया है। इसी तरह व्यवहार न्यायाधीश प्रथम वर्ग को व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी तथा व्यवहार न्यायाधीश द्वितीय वर्ग को व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी तथा जिला न्यायालय को प्रधान जिला न्यायालय से प्रतिस्थापित करने का प्रावधान रखा गया है। उच्च न्यायालय बिलासपुर में ज्वाईंट रजिस्ट्रार (एम) के 5 पद आकस्मिकता निधि से सृजित करने का निर्णय लिया गया है।

अयोध्या में रामभक्तों का उमड़ा सैलाब

मोदी ने मंत्रियों से कहा- अभी नहीं, मार्च में जाएं राम मंदिर

नई दिल्ली। अयोध्या में उमड़ रही रामभक्तों की भीड़ को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों को फिलहाल राम मंदिर जाने से परहेज करने की सलाह दी है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया है कि भारी भीड़ के कारण और वीआईपी के कारण जनता को होने वाली असुविधा को रोकने के लिए, केंद्रीय मंत्रियों को मार्च में अपनी अयोध्या यात्रा की योजना बनानी चाहिए। हम आपको बता दें कि अभी एक दिन पहले पांच लाख भक्तों ने रामलला के दर्शन किये और आज भी अयोध्या में उतनी ही भीड़ देखने को मिल रही है और लगातार रामभक्तों का अयोध्या आगमन जारी है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए और सबको दर्शन सुलभ कराने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अयोध्या में ही तैनात कर रखा है। हम आपको यह भी बता दें कि अयोध्या की सड़कों पर 'मेले जैसा' नजारा है। इसके अलावा यहां जगह-जगह भंडारे भी आयोजित किये जा रहे हैं ताकि भक्तों को किसी प्रकार की मुश्किल नहीं हो। जहां तक राम मंदिर में उमड़ रही भक्तों की भीड़ की बात है तो आपको यह भी बता दें कि मंदिर प्रशासन की मुश्किल यह भी है कि जो भक्त अंदर जा रहे हैं वह जल्दी बाहर नहीं आ रहे हैं क्योंकि हर कोई रामलला की मनमोहक मूर्ति को बार-बार निहारना चाहता है, हर कोई मंदिर की दिव्यता और भव्यता को गौर से देखना चाहता है और उसकी खूबसूरती को अपनी आंखों में कैद कर लेना चाहता है जिससे हर किसी को

मंदिर में समय लग रहा है। ऐसे में बाहर भीड़ बढ़ती चली जा रही है। हम आपको यह भी बता दें कि राजस्थान के मकराना से संगमरमर, मूर्ति के लिए मैसूरु से तीन अरब साल पुरानी चट्टान, महाराष्ट्र से पॉलिश की गई सागौन की लकड़ी-- इन सबके संगम से बना अयोध्या का भव्य राम मंदिर इसे एक राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में भी स्थापित करता है। मंदिर के वास्तुकार चंद्रकांत बी सोमपुरा अहमदाबाद के हैं जबकि रामलला के बाल रूप के विग्रह को मैसूर के पांचवीं पीढ़ी के मूर्तिकार अरुण योगीराज ने तराशा है। प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर बालक राम को सजाये गये कपड़े दिल्ली से थे, जबकि मूर्ति के लिए आभूषण लखनऊ में तैयार किए गए हैं। मंदिर निर्माण की देखरेख कर रहे न्यास श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि भारत के विभिन्न हिस्सों से 100 से अधिक निर्माण एजेंसियों और फर्मों ने मंदिर के निर्माण में योगदान दिया है। उन्होंने कहा, मंदिर का निर्माण देश के कुछ सर्वश्रेष्ठ हुनरमंद लोगों के सामूहिक ज्ञान का परिणाम है। गंगोत्री, यमुनोत्री, कैलाश मानसरोवर, प्रयाग सहित भारत के लगभग सभी तीर्थ स्थलों से जल और पवित्र मिट्टी का मंदिर के निर्माण में उपयोग किया गया है। चंपत राय ने बताया कि मंदिर की नींव में झाँसी, बिठूर, हल्दीघाटी, यमुनोत्री और अमृतसर के स्वर्ण मंदिर समेत पूरे भारत के 2,500 से अधिक स्थानों एवं थाईलैंड के अयुत्या शहर (जो खुद को अयोध्या से जोड़ता है) की पवित्र मिट्टी का उपयोग किया गया था। उनके अनुसार भगवान के जलाभिषेक (पवित्र स्नान) के लिए 155 देशों से जल भी भेजा गया था। इसके अलावा, महाराष्ट्र के बालारशाह और अल्लापल्ली वन क्षेत्रों से खरीदी गई सागौन की लकड़ी का उपयोग मंदिर के 44 दरवाजे बनाने के लिए किया जाएगा, जिनमें से 14 दरवाजे सोने की परत वाले होंगे।

रामंदिर के गर्भगृह में घुस गया वानर, सब हो गए हैरान

राम मंदिर में ऐसी घटना हुई है जिसे देखकर और सुनकर हर व्यक्ति भाव विभोर हो गया है। वैसे तो इन दिनों सिर्फ अयोध्या नगरी ही नहीं बल्कि पूरा देश ही राम के रंग में रंगा हुआ है। इसी बीच राम मंदिर में कुछ ऐसा घटित हुआ है जो अचंभित करने वाला है। राम मंदिर के गर्भ गृह में बीते दिनों एक बंदर घुस गया। ये ऐसा पल था जब गर्भगृह में मौजूद भक्तों को लगा की साक्षात भगवान हनुमान रामलला के दर्शन के लिए पधारे हैं। जानकारी के मुताबिक दक्षिणी द्वार से होते हुए एक बंदर गूढ़ मंडप से गुजरते हुए गर्भगृह में प्रवेश कर गया। इस बंदर ने उत्सव मूर्ति तक रास्ता बनाया। सुरक्षाकर्मियों ने देखा कि बंदर मूर्ति को जमीन पर ना गिरा दे मगर ऐसा कुछ नहीं हुआ। बंदर बेहद शांति के साथ उत्तरी द्वार तक पहुंचा। उत्तरी द्वार बंद होने के कारण पूर्व दिशा की तरफ बढ़ा और भक्तों के बीच होते हुए पूर्वी द्वार से बाहर चला गया। इस दौरान उसने किसी भक्त को कोई चोट नहीं पहुंचाई। सुरक्षाकर्मियों और भक्तों का कहना है कि बंदर द्वारा मंदिर में इस तरह से आने से ये ही अनुभूति हुई की साक्षात हनुमान जी ही मंदिर में रामलला के दर्शन करने पहुंचे है।

ज्ञानवापी पर एएसआई की सर्वे रिपोर्ट होगी सार्वजनिक

वाराणसी जिला जज का आया बड़ा फैसला

वाराणसी। वाराणसी जिला अदालत ने बुधवार को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर पर भारतीय

पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्षों को उपलब्ध कराने पर सहमति व्यक्त की। संबंधित पक्षों को इस संबंध में शपथ पत्र दाखिल करना होगा। यह घटनाक्रम भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा 18 दिसंबर को वाराणसी जिला न्यायालय के समक्ष ज्ञानवापी मस्जिद परिसर पर एक सीलबंद कवर में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के एक महीने बाद आया है। अदालत में रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद, ज्ञानवापी सर्वेक्षण मामले में हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील विष्णु शंकर जैन ने एएसआई रिपोर्ट को सार्वजनिक करने के लिए अदालत के समक्ष एक याचिका दायर की, जिसमें तर्क दिया गया कि रिपोर्ट सीलबंद कवर में दायर नहीं की जा सकती। जिला न्यायाधीश अजय कृष्ण विश्वेश ने पहले हिंदू याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर आवेदनों पर सुनवाई स्थगित कर दी थी, जिन्होंने सर्वेक्षण रिपोर्ट तक पहुंच की मांग की थी। यह निर्णय एएसआई के एक आवेदन से प्रभावित था, जिसमें अदालत से रिहाई को चार सप्ताह के लिए स्थगित करने का आग्रह किया गया था। एएसआई ने काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी मस्जिद विवाद से संबंधित 1991 के मुकदमे में रिपोर्ट दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता का हवाला दिया। एएसआई ने वाराणसी अदालत के निर्देश पर सर्वेक्षण किया था, जिसका काम यह निर्धारित करना था कि मस्जिद का निर्माण हिंदू मंदिर की पहले से मौजूद संरचना पर किया गया था या नहीं। एजेंसी ने अपनी याचिका में उच्च न्यायालय के आदेश पर प्रकाश डाला, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि 1991 के मुकदमे में सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश की जानी चाहिए। एएसआई ने रिपोर्ट की सामग्री को जनता के सामने प्रकट करने के संभावित परिणामों के बारे में चिंता व्यक्त की, अफवाहों और गलत बयानी के फैलने का डर है जो उनके चल रहे काम पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित श्री राम मंदिर में दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना की। श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में भण्डारे के संचालन के लिए कार्यकर्ताओं की टीम को झंडी दिखाकर अयोध्या के लिए रवाना किया। **(विस्तृत समाचार पृष्ठ 8 पर)**

प्रमुख समाचार

मोदी के मुरीद हुए नीतीश कांग्रेस पर निशाना

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जननायक के रूप में विख्यात कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा हुई। इसके बाद से कहीं ना कहीं बिहार की राजनीति में एक बार फिर से श्रेय लेने की होड़ मच गई। इन सबके बीच जो बिल्कुल साफ तौर पर दिखाई दे रहा है वह यह है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। नीतीश बार-बार केंद्र सरकार और नरेंद्र मोदी का शुक्रिया कह रहे हैं। नीतीश कुमार इस ऐलान के बाद इतने खुश थे कि उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दो पोस्ट कर दिया। पहले संदेश में उन्होंने केंद्र सरकार की तारीफ की थी और धन्यवाद ज्ञापित किया था। हालांकि उन्होंने इसमें नरेंद्र मोदी का नाम नहीं लिया था। इसके बाद उन्होंने तुरंत उस ट्वीट को डिलीट किया और नया संदेश लिखा जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लेते हुए आभार व्यक्त किया। इतना ही नहीं, मीडिया से बातचीत करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि हम लगातार कर्पूरी ठाकुर के लिए भारत रत्न की मांग करते रहे थे। आखिर केंद्र सरकार ने कल रात में निर्णय लिया।

ममता के बाद आप ने भी दिया कांग्रेस को झटका

नई दिल्ली। ममता बनर्जी द्वारा पश्चिम बंगाल में टीएमसी के स्वतंत्र चुनाव लड़ने की घोषणा के तुरंत बाद, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) राज्य की सभी 13 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब में हम कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करेंगे, हमारा कांग्रेस के साथ कुछ भी नहीं है। गौरतलब है कि मान ने घोषणा की थी कि आप राज्य की सभी 13 लोकसभा सीटों पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेगी और जीत हासिल करने का भरोसा जताया है, जिसमें चंडीगढ़ को शामिल करके 14 सीटों तक विस्तार की संभावना है। साथ ही मान ने दिल्ली में कांग्रेस के साथ गठबंधन के लिए खुलेपन का भी संकेत दिया है। सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने पार्टी के अकेले आम चुनाव लड़ने के पंजाब इकाई के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। पिछले हफ्ते भी मान ने कहा था कि आप पंजाब में सभी 13 सीटें जीतेगी। हालांकि, राज्य में कांग्रेस भी आप से गठबंधन कर चुनाव में नहीं लड़ना चाहती है। दोनों दल पंजाब में आमने-सामने रहे हैं।

ममता की कार का एक्सीडेंट सिर में लगी चोट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी बुधवार को बर्धमान से कोलकाता लौटते समय एक मामूली कार दुर्घटना में घायल हो गईं। सूत्रों के मुताबिक, बारिश के कारण ममता बनर्जी कार से लौट रही थीं। कोहरे के बीच दृश्यता कम होने के कारण ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिससे मुख्यमंत्री घायल हो गये। तृणमूल प्रमुख के सिर में मामूली चोटें आईं और उन्हें वापस कोलकाता लाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सड़क मार्ग से बर्दवान से कोलकाता लौटते समय माथे पर चोट लग गई, जब सीएम के काफिले के सामने अचानक दूसरी कार आ गई तो उनकी कार ने तुरंत ब्रेक लगा दिया। खराब मौसम के कारण वह हेलीकॉप्टर से नहीं लौटीं। आज ममता लगातार सुर्खियों में हैं। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' को बड़ा झटका देते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को घोषणा की है कि उनकी पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव राज्य में अकेले लड़ने का फैसला किया है।

सुको से उमर खालिद को झटका जमानत याचिका 31 तक स्थगित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्र उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने मामले को 31 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दिया क्योंकि वे केवल दोपहर के भोजन तक उपलब्ध थे। खालिद की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सीयू सिंह ने अदालत को बताया कि वह मामले को आगे बढ़ाने के इच्छुक हैं। हालाँकि, पीठ उठ रही थी क्योंकि दोपहर के भोजन के बाद दोनों न्यायाधीशों के पास विशेष पीठ के मामले सूचीबद्ध थे। यह मामला पिछली बार 10 जनवरी को सुनवाई के लिए आया था जब खालिद की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने वकील के रूप में अपनी पूर्व व्यस्तता के कारण स्थगन के लिए एक संयुक्त अनुरोध किया था, जिसके बाद इसे स्थगित कर दिया गया था। कोर्ट ने मामले को बुधवार के लिए पोस्ट करते हुए कहा था कि इस मामले में आगे कोई स्थगन नहीं दिया जाएगा।

कोयंबटूर कार बम विस्फोट मामले में 2 पर आरोपपत्र दायर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2022 कोयंबटूर कार बम विस्फोट की जांच में महत्वपूर्ण कदम उठाए, आईएसआईएस से प्रेरित हमले से जुड़े दो अतिरिक्त आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। बुधवार को दायर पूरक आरोप पत्र में कोयंबटूर के रहने वाले मोहम्मद अजरुद्दीन उर्फ अजर और मोहम्मद इदरीस को आतंकी साजिश में प्रमुख व्यक्तियों के रूप में नामित किया गया है। भारतीय दंड संहिता, गैरकानूनी गतिविधियां अधिनियम, और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए, इन अतिरिक्त आरोपियों की कुल संख्या 13 हो गई है। एनआईए ने इससे पहले पिछले साल 20 अप्रैल और 2 जून को 11 व्यक्तियों पर आरोप लगाया था। 13 अक्टूबर, 2022 को होने वाली इस घटना में कोयंबटूर के उक्कदम में ईश्वरन कोविल स्ट्रीट पर ऐतिहासिक अरुल्मिगु कोट्टई संगमेश्वर थिरुकोविल मंदिर के सामने एक विस्फोट हुआ था। वाहन-जनित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस के माध्यम से अंजाम दिया गया यह हमला कट्टर आईएसआईएस विचारधारा के प्रति उत्साही समर्पण से प्रेरित जेम्सा मुबीन द्वारा किया गया था।

अयोध्या राम मंदिर

कैसा पड़ेगा चुनावी प्रभाव? क्या बढ़ेंगी इंडिया गठबंधन की मुश्किलें

विनोद पाठक

राजनीति और चुनाव में टाइमिंग का बहुत बड़ा महत्व है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टाइमिंग के खेल में महारत हासिल है। चुनावों के समय कौन सा मुद्दा उठाना है और कौन सा छोड़ना है? इसे वो वर्तमान के किसी भी अन्य राजनेता से ज्यादा बेहतर जानते हैं। अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद हिंदी पट्टी में उन्होंने एक और मास्टरस्ट्रोक चल दिया है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर, जिन्हें पिछड़ों का जनक कहा जाता है, को उनकी जन्म शताब्दी पर भारत रत्न देकर नरेंद्र मोदी ने हिंदी पट्टी के पिछड़ों और अति पिछड़ों को साध लिया है। कहते हैं, संसद का रास्ता उत्तर प्रदेश और बिहार से होकर गुजरता है। दोनों ही राज्यों में पिछड़े और अति पिछड़े चुनावी गणित में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न लेकर नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर सबको चौंकाया है। बिहार की राजनीति में सक्रिय राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल (यू) ने शायद यह कल्पना नहीं की थी कि नरेंद्र मोदी उनसे कर्पूरी ठाकुर की विरासत इस तरह छीन लेंगे। दरअसल, बिहार भाजपा के लिए बेहद महत्वपूर्ण राज्य है और यहां नीतीश कुमार कुछ-कुछ सालों में पाला बदलने का खेल खेलते रहते हैं। नरेंद्र मोदी की कोशिश यही है कि बिहार की राजनीति से नीतीश कुमार को अप्रासंगिक कर दिया जाए। वर्ष 2014 से इसके प्रयास भी वो लगातार करते आ रहे हैं। बिहार से लोकसभा की 40 सीटें हैं। वर्ष 2014 में जनता दल (यू), राजद और भाजपा, तीनों अलग-अलग चुनावी मैदान में उतरे थे। भाजपा के साथ रामविलास पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी और उपेंद्र कुशवाह की राष्ट्रीय लोक समता पार्टी जैसे छोटे दल थे। चुनाव में भाजपा ने सहयोगियों के साथ 40 में से 31 सीटों पर विजय हासिल की थी। जनता दल (यू) को दो और राजद को चार सीटें ही मिली थीं। इसके बाद नीतीश कुमार भाजपा के साथ आ गए थे। वर्ष 2019 में उन्होंने भाजपा के साथ गठबंधन में रहते हुए बिहार में चुनाव लड़ा और लोकसभा की 16 सीटों पर विजय हासिल की। दोनों दलों के गठबंधन में राजद का सुपड़ा-साफ हो गया था और वो लोकसभा चुनाव में खाता भी नहीं खोल पाई थी। हालांकि, किसके बाद नीतीश कुमार एक बार पलटी मार कर राजद के साथ जा चुके हैं। इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव में लग रहा है कि राजद और जनता दल (यू) साथ मिलकर बिहार में चुनाव लड़ेंगे। दोनों का गठबंधन भाजपा को नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने से इन दोनों पार्टियों का एक बड़ा वोट शेयर भाजपा की तरफ आ सकता है, यह अब साफ-साफ दिख रहा है।

बिहार में पिछड़ों की राजनीति को लेकर पहले ही भाजपा और विपक्षी दलों में राजनीति तेज हो गई है। कर्पूरी ठाकुर की विरासत को हासिल करने के लिए बिहार के सभी प्रमुख दल एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं, लेकिन बाजी नरेंद्र मोदी मार ले गए हैं। जहां तक हिंदी पट्टी के उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली और भाजपा के गढ़ गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल, कर्नाटक व महाराष्ट्र की बात है तो इन सभी राज्यों में राम मंदिर का असर देखने को मिलेगा। यह वोटों में तब्दील भी होगा। इन राज्यों में लोकसभा की 327 सीटें हैं। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के असम समेत अन्य राज्यों में भाजपा की स्थिति मजबूत दिख रही है। वो यहां पुन: वर्ष 2019 वाला प्रदर्शन दोहरा सकती है। दक्षिण में भी भाजपा को सीटें मिलती दिख रही हैं।

नरेंद्र मोदी जब भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित हुए थे, उससे पहले वर्ष 2009 में लोकसभा चुनाव में भाजपा का वोट शेयर 18.80 प्रतिशत था और पार्टी की 116 सीटें थीं, लेकिन वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व ने भाजपा का वोट शेयर 31 प्रतिशत कर दिया और 282 सीटें पार्टी को मिलीं। भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए ने 336 सीटों पर विजय हासिल की। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी ने भाजपा के वोट शेयर को और बढ़ा दिया। यह बढ़कर 37.7 प्रतिशत हो गया और पार्टी ने अपने बलबूते पर 303 सीटों पर विजय हासिल की, यानी नरेंद्र मोदी जानते हैं कि जनता को क्या पसंद है और कैसे चुनाव-दर-चुनाव जीत हासिल करनी है।

इस साल लोकसभा चुनाव में चंद दिन ही बचे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर में अपना चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है, जबकि विपक्षी दल गठबंधन बनाकर सीटों की शेयरिंग में ही उलझे हुए हैं। नरेंद्र मोदी कोई भी मुद्दा विपक्ष के लिए छोड़ नहीं रहे हैं और हताश-निराश विपक्ष केवल घिसे-पिटे पुराने मुद्दों पर ही उन्हें घेरने की नाकाम कोशिश करता दिख रहा है। राम मंदिर और कर्पूरी ठाकुर के मास्टरस्ट्रोक के बाद ऐसा नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तरकश में मुद्दों के तीर खत्म हो गए हैं। चुनाव से पहले वो ऐसे ही और बड़े मास्टरस्ट्रोक खेल सकते हैं, जिनका अनुमान अभी लगाना बेहद मुश्किल है, क्योंकि अब तक नरेंद्र मोदी अपने निर्णयों से चौंकाते ही आए हैं। राजनीति के जानकारों की मानें तो फिलहाल तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोई भी चुनौती मिलती नहीं दिख रही है।

सेक्शन कमांडर और आरपीसी सीएनएम सदस्य ने किया सरेंडर

■ दोनों कई घटनाओं में थे शामिल

बीजापुर। बीते दिनों बीजापुर पुलिस के प्रयासों से भैरमगढ़ एरिया प्लाटून सेक्शन कमांडर और आरपीसी सीएनएम सदस्य ने सरकार की आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति से प्रभावित होते हुए नक्सल पंथ से तौबा कर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। उक्त दोनों नक्सली कई महत्वपूर्ण घटनाओं में शामिल थे।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को भैरमगढ़ एरिया कमेटी के प्लाटून नंबर 13 बी सेक्शन कमांडर रोनी पदम उर्फ जैनी पति अनिल पदम उर्फ छोटू उम्र 32 निवासी पुनेम पारा पालनार थाना गंगालूर - पालनार आरपीसी सीएनएम सदस्य अनिल पदम पिता कोवा उम्र 24 निवासी पालनार पटेलपारा थाना गंगालूर ने बीजापुर पुलिस अधीक्षक आंजनेय वाष्णेय व पुलिस के आला अफसरों के समक्ष राज्य सरकार की आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण कर दिया।

पुलिस के मुताबिक, रोनी पदम को वर्ष 2004 में बाल संगम सदस्य के रूप में भर्ती किया गया। वर्ष 2005 में सीएनएम सदस्य के रूप में कार्य किया। वर्ष 2006 में पालनार जीआरडी सदस्य के रूप में कार्य किया। वर्ष 2007 में उसूर एलओएस पीएलजीएस सदस्य के रूप में काम किया। वर्ष 2010 से 2014 तक सीआरबी दलम के प्लाटून नंबर 22 में पीपीएम के पद व प्लाटून नम्बर 22 बी सेक्शन के कमांडर के रूप में काम किया। रोनी वर्ष 2009 में नीलमडगू पुलिस नक्सली मुठभेड़ की

घटना में शामिल थी। वहीं वर्ष 2013 में कोकरा के मुठभेड़ की घटना और वर्ष 2015 में बेचापाल मुठभेड़ की घटना में शामिल रही। दूसरी तरफ अनिल पदम वर्ष 2007 से 2010 तक ग्राम पालनार का बाल संगम सदस्य के पद पर संगठन में भर्ती किया गया। वर्ष 2011 में बाल संगम सदस्य के पद से पालनार आरपीसी सीएनएम सदस्य के पद पर पदोन्नत किया गया।

वर्ष 2023 तक पालनार आरपीसी सीएनएम सदस्य के पद पर पालनार आरपीसी भूमकाल मिलिशिया सदस्यों के साथ संत्री ड्यूटी करता था। अनिल पदम वर्ष 2020 में पुलिस पार्टी को नुकसान पहुचाने गंगालूर मार्ग में प्रेशर आईईडी लगाने और ब्लास्ट की घटना में शामिल रहा। वर्ष 2020 गंगालूर से चेरपाल जाने वाली सड़क पर गड्ढा खोदकर मार्ग अवरुद्ध करने की घटना में शामिल था। उक्त नक्सली दंपति को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने पर इन्हें उत्साहवर्धन के लिए शासन की आत्मसमर्पण व पुर्नवास नीति के तहत 25 -25 हजार रुपये नगद प्रोत्साहन राशि दी गई है।

नक्सली हमले के बाद बरामद किए गए बीजीएल के जिंदा सेल

16 जनवरी को नक्सलियों द्वारा धर्मावरम कैम्प पर हमला किया गया था। हमले के बाद कैम्प से करीब तीन सौ बीजीएल के जिंदा सेल बरामद किए गए। कैम्प पर नक्सलियों ने करीब एक हजार बीजीएल दागे थे। सुकमा जिले की सीमा पर स्थित धर्मावरम कैम्प लूटने की नियत से ये हमला हुआ था। इस हमले में तीन नक्सलियों की मौत की बात खुद नक्सलियों ने स्वीकारी थी। नक्सलियों ने बड़ी संख्या में जवानों को मारने और घायल करने का भी दावा किया था।

आगजनी की घटना में शामिल दो नक्सली सहयोगी गिरफ्तार

बीजापुर। जिले में संचालित नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षाबल के जवानों की संयुक्त पार्टी ने रॉयल ट्रेवहल्स की बस में आगजनी की घटना में शामिल दो नक्सल सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, जिलाबल और सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी बीते दिनों आवापल्ली थाना क्षेत्र के पुन्नूर और कमरगुड़ा की तरफ नक्सल उन्मूलन अभियान पर निकली थी।

इस दौरान पुन्नूर के जंगलों में पुलिस पार्टी को देखकर भागते हुए दो संदिग्ध को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पकड़े गए संदिग्धों से पूछताछ करने पर अपना नाम मड़कम मुकेश उर्फ अन्दू पिता मड़कम मुत्ता उम्र 26 निवासी पुजारी बड़े पारा पुन्नूर और त्रिपति इरपा पिता राम स्वामी इरपा उम्र 20 निवासी पुजारी पारा पुन्नूर थाना आवापल्ली का होना बताया।

पकड़े गए संदिग्ध की तलाशी करने पर प्रतिबंधित नक्सली संगठन की प्रसार-प्रचार की सामग्री, टंगिया बरामद किया गया। जिसे पुलिस पार्टी द्वारा कब्जे में लिया गया है। पकड़े गए उक्त दोनों नक्सली सहयोगी 21 दिसम्बर 2023 को दुगाईगुड़ा चेरामंगी के बीच रास्ते पर रॉयल ट्रेवहल्स की बस में आगजनी की घटना में शामिल थे।

सूरजपुर जिले में राशन कार्ड नवीनीकरण प्रारंभ

सूरजपुर। छ.ग. शासन, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय नवा रायपुर अटल नगर के पत्र एवं संचालनालय खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण ब्लॉक 2, तृतीय तल इन्द्रावती भवन नवा रायपुर के पत्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत प्रचलित समस्त राशनकार्डो के समयबद्ध नवीनीकरण किये जाने का निर्देश दिये गये है। राशनकार्डधारियों की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए राशनकार्डो के समयबद्ध नवीनीकरण हेतु आवेदनों की प्राप्ति खाद्य विभाग द्वारा तैयार एप्प के जरिये की जावेगी। यह एप्प खाद्य विभाग के वेबसाईट ीजजचेरूध्धींकलंण्बहण्दपबण्पद से हितग्राही द्वारा अपने एन्ड्रॉयड मोबाईल में अथवा उचित मूल्य दुकानों में संधारित टेबलेट अथवा दुकान संचालक के पंजीकृत एन्ड्रॉयड मोबाईल में डाउनलोड कर आवेदन प्रस्तुत की जा सकेगी। जिले में प्रचलित समस्त अन्त्योदय राशनकार्ड, प्राथमिकता राशनकार्ड, निराश्रित राशनकार्ड, नि:शक्तजन राशनकार्ड तथा सामान्य राशनकार्डो का नवीनीकरण कार्य दिनांक 25 जनवरी से 29 फरवरी तक किया जाना है। जिसमें हितग्राहियो से आवेदन प्राप्त करने की समय सीमा 25 जनवरी से 15 फरवरी तक तथा हितग्राहियों को राशनकार्ड प्रदाय 01 फरवरी से 29 फरवरी तक किया जावेगा। स्थानीय निकायों द्वारा सामान्य राशनकार्ड को छोड़कर शेष समस्त नवीनीकृत राशनकार्ड नि:शुल्क प्रदाय किया जावेगा। जबकि सामान्य राशनकार्ड 10 रूपये प्रति कार्ड का शुल्क लिया जावेगा। ग्राम पंचायत/नगरीय निकायवार राशनकार्ड के वितरण हेतु पंजी तैयार की जावेगा। जिसमें जारी किए जाने वाले राशनकार्ड से संबंधित मुखिया का नाम, राशनकार्ड क्रमांक की जानकारी सहित हितग्राही के हस्ताक्षर अनिवार्य रूप से दर्ज किया जायेगा।

धान खरीदी में गड़बड़ी

प्रबंधक और कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ एफआईआर दर्ज

बलरामपुर। जिले के धान उपार्जन केंद्र डोंगरो के समिति प्रबंधक और कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है। दोनों पर चलगली थाना में 420, 408, 468, 471 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। वहीं इस मामले की पुलिस विवेचना करने में जुट गई है।

धान उपार्जन केंद्र डोंगरो खरीदी वर्ष 2023-24 में धान खरीदी केंद्र में भौतिक सत्यापन खाद्य अधिकारी खाद निरीक्षक के द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 20 जनवरी 2024 को किया गया। जिसमें समिति में नया बरदाना की कुल संख्या 7182 नग बोरी धान और पुराने बरदाने में 4956 बोरी धान एवं 8857 बोरी नग बोरी धान है। इस प्रकार भौतिक सत्यापन में समिति प्रांगण में भौतिक रूप से कुल 20995 नाग बोरी धान पाया गया। जबकि मॉड्यूलर रिपोर्ट के अनुसार कल 24694 नग बोरी धन समिति प्रांगण में उपलब्ध होना चाहिए था। जहां मिलान करने पर 3699 बोरी अनुमानित वर्जन 1469 160 क्विंटल धान उपार्जन केंद्र में काम पाया गया। जिसे शासन के घोषित समर्थन में मूल्य 32 लाख 29 हजार 966 रुपये होता है। जिसको देखते हुए जिला खाद्य अधिकारी ने इसकी शिकायत चलगली थाना में की थी जिला खाद्य अधिकारी के शिकायत के आधार पर थाना चलगली समिति प्रबंधक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर के विरुद्ध 408, 420 सहित कई धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। वहीं मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल मामले में अभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है।

जगदलपुर में मुख्यमंत्री साय करेंगे ध्वजारोहण, किया गया अंतिम रिहर्सल

जगदलपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गणतंत्र दिवस के अवसर पर जगदलपुर के लालबाग में ध्वजारोहण करेंगे। यहां गणतंत्र दिवस की तैयारियों का अंतिम रिहर्सल बुधवार को किया गया। मुख्य अतिथि की भूमिका में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रकाश सर्वे रहे। उन्होंने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। इस अवसर पर आईजी सुंदरराज पी, कलेक्टर विजय दयाराम के, पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह उपस्थित थे। अधिकारियों ने तैयारी के संबंध में कमीबेशी को समय से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस वर्ष परेड की कमान डीएसपी राहुल शर्मा कर रहे हैं, जो 14 टुकड़ी को कमांड करते हुए मार्चपास्ट करेंगे। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी। विभागों के शासकीय योजनाओं से संबंधित झांकी का प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम में सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। स्कूली बच्चों के सांस्कृतिक प्रस्तुति को अतिथियों द्वारा अवलोकन किया गया।

जांजगीर चांपा जिले में गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह का आयोजन शासकीय हाई स्कूल के खेल मैदान में

किया जायेगा। बुधवार को गणतंत्र दिवस समारोह का अंतिम रिहर्सल किया गया। जिले के अपर कलेक्टर एसपी वैद्य ने मुख्य अतिथि बनकर ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। मुख्यमंत्री के संदेश का प्रतीकात्मक रूप से वाचन किया। उन्होंने पुरस्कार भी वितरित किए। इस दौरान कलेक्टर आकाश छिकारा एवं पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस समारोह दिवस में मुख्य अतिथि को मंच पर लाने से लेकर परेड और मार्चपास्ट की सलामी से लेकर कार्यक्रम के समाप्ति तक आवश्यक व्यवस्था का जायजा लिया गया। समारोह में परेड करने वाली टुकड़ियों ने हर्ष फायर और देशभक्ति धुन के साथ परेड किया। परेड कमांडरों से परिचय भी प्राप्त किया गया। मौके पर कलेक्टर ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल होंगे। ध्वजारोहण के साथ ही परेड की सलामी लेंगे और मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन सहित सहित शहीदों के परिजनों का सम्मान और विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे।

गणतंत्र दिवस के लिए हुई अंतिम रिहर्सल, कलेक्टर- एसपी मौजूद

कोरबा। कोरबा में गणतंत्र दिवस की खुशियां धूमधाम से मनाई जांएगी। गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य कार्यक्रम का आयोजन सीएसईबी स्थित खेल मैदान में किया जाएगा। इस दौरान परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पीटी के साथ ही विभिन्न विभागों व औद्योगिक उपक्रमों की झांकी निकाली जाएगी। गणतंत्र दिवस के आयोजन को लेकर अंतिम रिहर्सल की गई। जिसमें कलेक्टर, एसपी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

कोरबा में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी पूरी कर ली गई है। सीएसईबी स्थित खेल मैदान में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जहां उद्योग और श्रम मंत्री लखनलाल ध्वजारोहण करेंगे। गणतंत्र दिवस के दौरान विभिन्न प्लाटून द्वारा परेड का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी जाएगी।

विभिन्न विभागों के साथ ही औद्योगिक उपक्रमों के द्वारा झांकी का प्रदर्शन भी किया जाएगा। गणतंत्र दिवस आयोजन को लेकर खेल मैदान में अंतिम रिहर्सल की गई। जहां कलेक्टर अजीत वसंत, एसपी जितेंद्र शुक्ला सहित जिला पंचायत सीईओ प्रमुख रुप से मौजूद रहे। अंतिम रिहर्सल के दौरान परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अंतिम अभ्यास हुआ। गणतंत्र दिवस के आयोजन को लेकर पूरी तैयारी कर ली गई है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग भी मौजूद रहेंगे। कोरबा एसपी जितेंद्र शुक्ला ने बताया कि 26 जनवरी के रिहर्सल के लिए अंतिम तैयारी की गई। जहां नौ कार्टून कमांडर इस परेड में हिस्सा ले रहे हैं। इसके अलावा विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित हुए। इसे लेकर रूपरेखा तैयार की गई है। जहां ध्वजारोहण के लिए माननीय वाणिज्य मंत्री लखनलाल देवांगन को आमंत्रित किया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कृषि मंत्री नेताम ध्वजारोहण कर लेंगे परेड की सलामी

बलरामपुर। जिले में 75 वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2024 गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा। गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह पुलिस लाईन ग्राउंड बलरामपुर में आयोजित किया जायेगा। मुख्य समारोह में कृषि एवं आदिम जाति कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि श्री नेताम मुख्यमंत्री द्वारा जनता के नाम प्रेषित संदेश का वाचन करेंगे तथा देश के लिए शहीद हुए परिवारों को सम्मानित करेगें। इसके साथ ही मुख्य समारोह में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों प्रस्तुति होगी। वहीं शासन की विभिन्न योजनाओं पर आधारित योजनाओं का झांकी के माध्यम से प्रदर्शित की जाएगी तथा जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारियों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

ऑल इंडिया सिविल सर्विसेस में अंजनी ने जीता कांस्य पदक

महासमुंद। ऑल इंडिया सिविल सर्विसेस लॉन टेनिस (पुरूष-महिला) टूर्नामेंट 2023-24 का आयोजन डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल गवर्नमेंट ऑफ राजस्थान के द्वारा महाराणा प्रताप खेलगांव स्टेडियम उदयपुर राजस्थान में 23 से 28 सितंबर तक आयोजित किया गया। जिसमें महासमुंद जिले से अंजली बरमाल सहायक क्रीड़ा अधिकारी शिक्षा विभाग, अंजनी साहू व्यायाम शिक्षक, स्वामी आत्मानंद हिंदी मीडियम स्कूल, शोभा दीवान शिक्षक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शेर ने प्रदेश की टीम से भागीदारी किया। अंजनी साहू व मुक्ता की जोड़ी ने डबल्स में अपने प्रारंभिक मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमी फाइनल मैच हारकर तीसरे स्थान के लिए मैच खेला जिसमें मैच जीतकर कांस्य पदक जीतने में कामयाब रही। पदक विजेता खिलाडी अंजनी साहू व्यायाम शिक्षक व जिले के प्रतिभागियों ने कलेक्टर प्रभात मलिक से मुलाकात किया जिस पर कलेक्टर ने अंजनी साहू को बधाई दी तथा जिले में लॉन टेनिस खिलाड़ी तैयार करने के लिए खेल को आगे बढ़ाने के लिए कहा।

फर्जी सिविल इंजीनियर और ठेकेदार बनकर की ठगी

कोरबा। कैटरिंग सर्विस का मालिक और ठेकेदार बताकर तीन दुकानदरों से चार लाख रुपयों की ठगी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए मानिकपुर चौकी पुलिस ने एक महिला व उसके बेटे को गिरफ्तार किया है। जबकि उसका पति फरार चल रहा है। हालांकि पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। आरोपी गोपाल गोयल ने अपनी पत्नी और बेटे अक्षय गोयल के साथ मिलकर दादर में रहने वाले तीन दुकानदारों से दो लाख रुपयों का सामान खरीदा था, लेकिन पैसे देने में आनाकानी की जा रही थी। परेशान दुकानदारों ने पुलिस से शिकायत की, जिसके बाद कार्रवाई करते हुए पुलिस ने महिला और उसके बेटे को गिरफ्तार कर लिया, जबकि महिला के पति की तलाश की जा रही है। शिकायत मिलने पर हरकत में आई पुलिस ने महिला व उसके बेटे को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका पति अभी फरार चल रहा है। मामले का मुख्य आरोपी गोपाल वैश्य खुद को कभी कैटरिंग सर्विस का मालिक बताता था तो कभी ठेकेदार।

विधानसभा सत्र के दौरान अवकाश प्रतिबंधित

मनेंद्रगढ़। छत्तीसगढ़ विधान सभा का सोलहंवा सत्र 05 फरवरी 2024 से प्रारंभ होकर शुकवार 01 मार्च 2024 तक संचालित होने हेतु सूचना प्राप्त हुई है। कलेक्टर श्री डी. राहुल वेंकट ने विधानसभा सत्र के दौरान जिले के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बिना पूर्व अनुमति के अवकाश पर नहीं जाने एवं मुख्यालय से बाहर नहीं रहने के निर्देश दिए हैं। सत्रावधि के दौरान आपके अधीनस्थ कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को किसी भी तरह का अवकाश देय नहीं होगा। अति आवश्यक होने की स्थिति में कलेक्टर मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से अनुमति प्राप्त कर अवकाश पर प्रस्थान करेंगें। जारी आदेश में कहा गया है कि सभी विभाग/जिला प्रमुख प्राप्त विधान सभा प्रश्नों के उत्तर तैयार करने एवं समय-सीमा में भेजने हेतु अपने-अपने विभाग में सेल का गठन कर फैक्स एवं मेल के द्वारा जानकारी / सूचना तत्काल भेजकर की गई कार्यवाही की प्रति सहित इस कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें तथा अधिकारियों को मुख्यालय में उपस्थित रहना अनिवार्य है।

छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में शराब पीना पड़ेगा महंगा

कबीरधाम। कबीरधाम जिले में अब सार्वजनिक स्थान पर बैठ कर शराब पीना महंगा पड़ेगा। क्योंकि पुलिस द्वारा ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। मंगलवार देर रात को जिले पंडरिया, कवर्धा, पांडातराई समेत कई थाना क्षेत्र में पुलिस ने आउटर एरिया में सार्वजनिक स्थान पर बैठ कर शराब पीने वालो की जमकर क्लास ली है। इस दौरान पुलिस ने शराब प्रेमियों से उठक बैठक भी कराई है। कबीरधाम एसपी डाक्टर अभिषेक पल्लव ने बताया कि शहर के सुनसान जगह पर नवयुवक युवती, छात्र व छात्राएं प्रेमी जोडे बैठे रहते हैं। जो बिल्कुल ही अनुचित है। अक्सर आपराधिक घटनाएं सुने स्थान पर ही घटित होती हैं। नशेड़ी/ आपराधिक तत्व भी इन जगह पर घूमते रहते हैं। इस कारण पुलिस ने इन जगहों पर दबिश देकर क्षेत्र को अपराध मुक्त बनाने का बिडा उठाया है,अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी अश्लीलता फैलाने वालों पर भी सख्त से सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में नया रोस्टर हुआ लागू

■ अब 3 डिवीजन और 6 स्पेशल समेत इन 19 बेंच में होगी मामलों की सुनवाई

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में आज से नया रोस्टर लागू कर दिया गया है। जिसके मुताबिक अब हाई कोर्ट में 10 सिंगल बेंच, 3 डिवीजन बेंच और 6 स्पेशल बेंच में होगी मामलों की सुनवाई। इनमें पहली डिवीजन बेंच में चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा शामिल है जो कि डिवीजन बेंच के सभी रिट मैटर, पल ओमान हेवियस कॉरपस पिटीशन आदि की सुनवाई करेंगे। दूसरी डिवीजन बेंच में जस्टिस गौतम भादुड़ी और जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल हैं। इस बेंच में टैक्स के मामलों के अलावा डिवीजन बेंच में सुने जाने वाले कमर्शियल सिविल और कंपनी मामलों की अपील सुनी जाएगी। वहीं तीसरी

डिवीजन बेंच में जस्टिस संजय के अग्रवाल और जस्टिस संजय कुमार जायसवाल शामिल हैं। इस बेंच में क्रिमिनल मैटर अपील और ट्रिब्यूनल के रिट मैटर की सुनवाई होगी।

इसी तरह हाई कोर्ट में मामलों की सुनवाई के लिए 6 स्पेशल बेंच गठित की गई है, जिसमें पहली बेंच में चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा, दूसरी बेंच में जस्टिस गौतम भादुड़ी, तीसरी बेंच में जस्टिस संजय के अग्रवाल, चौथी बेंच में जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल, पांचवी बेंच में जस्टिस संजय कुमार जायसवाल और छठी बेंच में जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल शामिल है। यह बेंच दोपहर 2:15 बजे के बाद विभिन्न मामलों की सुनवाई करेगी।

इसी तरह मामलों की सुनवाई के लिए 10 सिंगल बेंच का भी गठन किया गया है। जिसमें पहली बेंच में दूसरी बेंच में जस्टिस संजय अग्रवाल, दूसरी बेंच में अरविंद सिंह चंदेल, तीसरी बेंच में जस्टिस पार्थ प्रतीम साहू, चौथी बेंच में जस्टिस रजनी दुबे, पांचवी बेंच में जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास, छठी बेंच में जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी, सातवीं बेंच में जस्टिस दीपक कुमार तिवारी, आठवीं बेंच में जस्टिस सचिन सिंह राजपूत, नौवीं बेंच में जस्टिस राकेश मोहन पांडे और दसवीं बेंच में जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल का नाम शामिल है। विस्तृत जानकारी के लिए छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड की गई जानकारी का अवलोकन कर सकते है।

बिलासपुर-उसलापुर के मध्य रेलवे सेफ्टी आयुक्त ने लिया कार से स्पीड ट्रायल

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास तथा गाडियों के क्रास मूमेंट की समस्या के समाधान, गाडियों का गतिशील परिचालन व समयबद्धता सुनिश्चित करते हुये गाडियों के संरक्षित परिचालन की दिशा में बेहतर कार्य करते हुये आधुनिक अधोसंरचना विकास के अनेक कार्य किए जा रहे हैं।

इसी संदर्भ में बिलासपुर से उसलापुर स्टेशनों के मध्य 10.4 किमी लंबी आरओआर (रेल के ऊपर रेल) का निर्माण किया गया है। लाइन बिछाने के उपरांत सम्पूर्ण कार्य पूरा होने के पश्चात मंगलवार को दक्षिण पूर्व सर्कल के आयुक्त, रेलवे सेफ्टी श्री बी.के.मिश्रा द्वारा इसका निरीक्षण किया गया। बिलासपुर-उसलापुर स्टेशनों के मध्य 10.4 किमी लंबी आरओआर (रेल के ऊपर रेल) का निरीक्षण कार्यक्रम के तहत आयुक्त, रेलवे सेफ्टी श्री बी.के.मिश्रा, निरीक्षण दल के साथ उसलापुर स्टेशन पहुंचे। उसलापुर

स्टेशन में उन्होने स्टेशन, पैनल रूम तथा यार्ड का निरीक्षण किया। इसके पश्चात इस आरओआर का उसलापुर स्टेशन से बिलासपुर स्टेशन तक मोटर ट्राली निरीक्षण किया ।निरीक्षण के दौरान उन्होंने पैनल रूम, इंटरलाकिंग, क्रासिंग, पाइंट, ओएचई लाइन, कर्व, ब्रिज, सिग्नलिंग उपकरण के साथ ही साथ परिचालन एवं संरक्षा से जुडे सभी पहलुओं का गहन अवलोकन किए तथा अधिकारियों से चर्चा की।

इसके पश्चात बिलासपुर से उसलापुर स्टेशन तक आरओआर का आब्जर्वेशन कार से स्पीड ट्रायल किया गया। आयुक्त, रेलवे सेफ्टी से अनुमति मिलने के बाद इस आरओआर पर निर्बाध रूप से गाडियों का परिचालन प्रारम्भ होगा। जिससे बिलासपुर से कटनी दिशा की ओर जाने वाली सभी गाडियाँ इस मार्ग से अविलंब उसलापुर होते हुये कटनी दिशा की ओर जाने लगेगी, साथ ही बिलासपुर-रायपुर-बिलासपुर दिशा की गाडियों को नियंत्रित नहीं करना पड़ेगा। इससे गाडियों की समयबद्धता बढ़ेगी। उनके साथ गए निरीक्षण दल में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), मंडल रेल प्रबंधक बिलासपुर सहित निर्माण विभाग, मंडल तथा मुख्यालय के संबंधित विभागों के अधिकारीगण शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

न्याय यात्रा के लिए पूर्व मंत्रियों और पूर्व विधायकों को मिली जिम्मेदारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए रूट तैयार किया जा रहा है। यात्रा किस रूप में और कैसे बेहतर ढंग से छत्तीसगढ़ में पूरी हो इसके लिए पूर्व मंत्रियों और पूर्व विधायकों जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश में 536 किलोमीटर की यात्रा होगी। इसके लिए कांग्रेस की ओर से 5 प्रदेश संयोजक के साथ 7 जिलों के लिए 14 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। राहुल गांधी की न्याय यात्रा के लिए पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, पूर्व मंत्री जय सिंह अग्रवाल, पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, पूर्व मंत्री उमेश पटेल प्रदेश संयोजक बनाए गए हैं। रायगढ़ जिला पर्यवेक्षक-चंद्रदेव राय, अनिल अग्रवाल। सक्ति जिला पर्यवेक्षक-गुरुमुख सिंह होरा, गुलाब कमरो। जांजगीर जिला पर्यवेक्षक-शैलेष पाण्डेय, विनय भगत। कोरबा जिला पर्यवेक्षक-नोबेल वर्मा और यूडी मिंज। सरगुजा जिला पर्यवेक्षक-सफी अहमद, डॉ. जेपी श्रीवास्तव। सूरजपुर जिला पर्यवेक्षक-डॉ. प्रेम साय सिंह टेकाम, पारसनाथ राजवाड़े। बलरामपुर जिला पर्यवेक्षक-डॉ. प्रीतम राम एयर द्वितेंद्र मिश्रा बनाए गए हैं।

गणतंत्र दिवस एवं महात्मा गांधी निर्वाण दिवस पर बंद रहेगी शराब दुकान

कोरिया। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री विनय कुमार लंगेह ने छत्तीसगढ़ अबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 की उपधारा 1 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस तथा 30 जनवरी को महात्मा गांधी निर्वाण दिवस के अवसर पर शुष्क दिवस घोषित किया है।

कुपोषण से मुक्ति के लिए चलेगा पोषण कार्यक्रम

महासमुंद। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज़िला पंचायत श्री एस. आलोक आज यहाँ ज़िला पंचायत परिसर से कुपोषण मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके ज़रिए गाँव-गाँव घर-घर से कुपोषण एवं एनीमिया से ग्रसित बच्चों, किशोरियों, युवतियों, धात्री एवं गर्भवती महिलाओं की पहचान की जाएगी, इन चिन्हित लोगों की उनके निकटतम आँगनबाड़ी पर जाँच की जाएगी और फिर अंतत: कुपोषण एवं एनीमिया से ग्रसित बच्चों, किशोरियों, युवतियों, धात्री एवं गर्भवती महिलाओं का बेहतर उपचार कर ख़ानपान से कुपोषण दूर किया जाएगा। महासमुंद को कुपोषण मुक्त करने का पूरा प्रयास हो रहा है। इसमें सफलता भी मिल रही है। सीईओ श्री एस. आलोक ने कहा कि कुपोषण मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम जिला प्रशासन और यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।

दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होंगे छत्तीसगढ़ के 15 योग प्रशिक्षक

रायपुर। आयुष मंत्रालय भारत सरकार की योजना के तहत प्रदेश में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष हेल्थ एन्ड वेलनेस सेंटर्स) के योग प्रशिक्षकों को दिल्ली में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह में विशेष के रूप में आमन्त्रित किया गया है। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रदेशों के योग प्रशिक्षकों को बुलाया गया है ,जिसमें छत्तीसगढ़ के 15 योग प्रशिक्षक भी शामिल हैं । आयुष्मान आरोग्य मंदिर में योगाभ्यास कराने वाले 15 योग प्रशिक्षकों को गणतंत्र दिवस समारोह में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। राजधानी दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने का आमंत्रण मिलने के बाद आयुष्मान आरोग्य मंदिर के योग प्रशिक्षकों मे हर्ष व्याप्त है। गणतंत्र दिवस समारोह में देश भर के चुनिंदा योग शिक्षक शामिल होंगे। इस दौरान भारत सरकार की ओर से अतिथि के रूप में शामिल इन योग शिक्षकों को सम्मानित भी किया जाएगा। आयुष विभाग द्वारा चयनित सभी 15 योग प्रशिक्षकों को सपरिवार आयुष विभाग की ओर से डॉ. परमानंद सोनकर (सहायक संचालक) बतौर नोडल अधिकारी गणतंत्र दिवस समारोह में हिस्सा लेंगे। डॉ. सोनकर ने बताया कि वे सभी 15 योग प्रशिक्षक उत्साहित है जिन्हें अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। शेष सभी योग प्रशिक्षक भी इस बात से हर्षित है कि उन्हें भी भविष्य मे उन्हें भी यह सुअवसर प्राप्त होगा। गणतंत्र दिवस समारोह में अतिथि के रूप में प्राप्त आमंत्रण से विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारियों को प्रोत्साहन मिला है। इस दौरान देश भर के आमंत्रित योग प्रशिक्षकों को नई दिल्ली स्थित भारत सरकार आयुष मंत्रालय के उत्कृष्ट संस्थानों का भ्रमण भी कराया जाएगा साथ ही केंद्रीय मंत्री (आयुष मंत्रालय) तथा सचिव भारत सरकार आयुष मंत्रालय के साथ रात्रि भोज एवं संवाद की व्यवस्था भी की जा रही है।

काउंटिंग में गड़बड़ी, गोमती साय को हाईकोर्ट का नोटिस

कांग्रेस प्रत्याशी रामपुकार सिंह ने दायर की थी याचिका

जशपुर। निर्वाचन में गड़बड़ी के मामले में पत्थलगांव विधानसभा विधायक गोमती साय को हाईकोर्ट ने नोटिस भेजा है। इस सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी रहे रामपुकार सिंह की याचिका पर उच्च न्यायालय में बुधवार को सुनवाई हुई है। दायर याचिका में काउंटिंग में गड़बड़ी का आरोप लगाया गया था। जिस पर आज अदालत ने गोमती साय को नोटिस जारी किया है।

जस्टिस नरेन्द्र कुमार व्यास की एकलपीठ जो इलेक्शन ट्रिब्यूनल का कार्य कर रही है, उसने प्राथमिक सुनवाई के बाद गोमती साय समेत सभी 6 अन्य प्रत्याशियों को नोटिस जारी कर याचिका का जवाब दाखिल करने के निर्देश दिये हैं। अब इस मामले में 28 फरवरी को अगली सुनवाई होनी है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव और सुदीप वर्मा ने हाईकोर्ट को बताया कि इस चुनाव में पोस्टल बैलेट का हिसाब किताब नियमानुसार नहीं रखा गया। साथ ही बड़ी संख्या में याचिकाकर्ता को मिले मत निरस्त घोषित हुए है। वहीं वीवीपैट का मिलान भी ईवीएम से नहीं किया गया है। बता दें कि गोमती साय ने भाजपा की टिकट पर पत्थलगांव सीट से कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक रामपुकार सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ा था। जिसमें उन्होंने महज 255 वोटों से जीती दर्ज की थी। गोमती साय ने ये पहला विधानसभा चुनाव लड़ा है। पहली बार की सांसद हैं। जशपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

गौरतलब है कि इस मामले में याचिकाकर्ता द्वारा लगाया गया रिकाउंटिंग का आवेदन भी रिटर्निंग ऑफिसर ने रद्द कर दिया था। इसके अलावा अन्य सभी आवश्यक दिशा-निर्देशों को उल्लंघन कर याचिकाकर्ता या उसके इलेक्शन एजेंट को बिना जानकारी दिये परिणाम घोषित कर गोमती साय को निर्वाचित घोषित किया। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में गोमती साय और उनके चुनाव अभिकर्ता और भाजपा के पदाधिकारियों पर याचिकाकर्ता के खराब स्वास्थ्य की अफवाह फैलाना का भी आरोप लगाया है। जिसके कारण या तो बहुत से समर्थक वोट डालने नहीं गये या फिर उन्होंने किसी और प्रत्याशी को वोट दे दिया।

केवल 255 मतों से निर्धारित हुए इस चुनाव में अन्य दलों और निर्दलिय 6 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। इन सभी राजाराम लकड़ा (आप), इनोसेंट कुजूर (बसपा), अनिल कुमार परहा (हमर राज पार्टी), नेहरू लकड़ा (जोगी कांग्रेस), रथुराम पैकरा निर्दलिय सुनिल कुमार खलखों (भा।मु।पा) को एक हजार से ज्यादा और कुल मिलाकर 11500 से ज्यादा वोट मिले हैं। वहीं नोटा को भी 3000 से ज्यादा वोट मिला। याचिकाकर्ता का कहना है कि खराब स्वास्थ्य की अफ़वाह के कारण मिलने वाले वोट अन्य प्रत्याशियों को चले गये और परिणाम प्रभावित हुआ।

बता दें कि इस सीट पर भी भाजपा ने अपना चेहरा बदला था। भाजपा ने सांसद गोमती साय पर भरोसा जताया था। 2018 में इस सीट से शिवशंकर पैकरा लड़े थे। वहीं कांग्रेस ने अपने दिग्गज आदिवासी नेता और 90 सीटों में सबसे वरिष्ठ

ओम माथुर ने गणतंत्र दिवस की तैयारी में जुटे बच्चों से की मुलाकात

रायपुर। 26 जनवरी को राजधानी रायपुर के कालीबाड़ी स्थित पुलिस परेड ग्राउंड में होने वाले गणतंत्र दिवस कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर है। इस कड़ी में गृहमंत्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, वन मंत्री केदार कश्यप के साथ भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर तैयारी में जुटे बच्चों से मुलाकात की।

भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने इस दौरान बातचीत करते हुए कहा कि ऐसी सर्दी के मौसम में रिमझिम-रिमझिम बारिश हो रही है, लेकिन आज की तारीख में उत्साह के साथ उमंग के साथ बच्चे तैयारी कर रहे हैं। यह निश्चित रूप से देश का नाम रोशन करेंगे।

गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि आज बालिका दिवस है। इस अवसर पर ओम माथुर ने कहा कि बच्चों से भेंट करना है, इसलिए हम सब उनके साथ आए हैं। आज सबके साथ मिलना बहुत अच्छा हुआ। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि आज गर्ल चाइल्ड डे है। इस अवसर पर इस तरह से बच्चों से मुलाकात करने का अवसर बना है। रिपब्लिक डे की तैयारी बहुत जोरों से चल रही है। बहुत सुखद है। वहीं वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ के इन बच्चों में भगवान समाए हुए हैं। निश्चित रूप से आने वाले समय में छत्तीसगढ़ का भविष्य तय करेंगे। और उनकी खुशी में हम लोग शामिल होने आए हैं।

मैं इनको उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने असम सीएम सरमा का जलाया पोस्टर

रायपुर। कांग्रेस के न्याय यात्रा को लेकर छत्तीसगढ़ में सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के न्याय यात्रा को रोकने के आरोप में छत्तीसगढ़ प्रदेश युवा कांग्रेस और प्रदेश सचिव अभिषेक कसार के नेतृत्व में असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिसवा सरमा का जमकर विरोध किया है। नारेबाजी के साथ ही असम के सीएम का पोस्टर जलाया है।

एनएसयूआई के प्रदेश सचिव अभिषेक कसार ने बताया कि भारत देश में सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक न्याय की स्थापना के लिए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मणिपुर से लेकर मुंबई तक भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रहे हैं। यात्रा को जनता से मिल रहे आपार जनसमर्थन से घबराकर असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिसवा सरमा यात्रा को रोकने लगातार प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि वो गुंडागर्दी पर उतर आए हैं, उनके गुंडे यात्रा के बैनर फाड़ रहे है, यात्रा में चल रही गाड़ियों में तोड़ फोड़ कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी जनता से ना मिल पाए इसलिए बैरिकेट लगाकर यात्रा को शहर में घुसने नहीं दे रहे हैं। राहुल गांधी को शंकर देव मंदिर जाने से रोक के हेमंत बिसवा सरमा अधर्म कर रहे हैं। अभिषेक कसार ने आरोप लगाते हुए कहा कि जिसके विरोध में युवा कांग्रेस ने भारत देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हेमंत बिसवा सरमा की तस्वीर जलाकर विरोध किया। इस विरोध प्रदर्शन में प्रमुख रूप से शहर कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश दूबे, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव शब्बीर खान, शहर कांग्रेस महामंत्री अविनय दुबे, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव रुचिर दुबे, शहर कांग्रेस सचिव मोहसीन खान, जिला महासचिव सत्तार चौहान, पंकज सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

साय ने सेवकों की टीम को अयोध्या के लिए किया रवाना

60 दिनों के भंडारे में भक्तों को कराएंगे भोजन

रायपुर। भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ की ओर से अयोध्या में 60 दिनों तक भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सेवकों को रामलला के ननिहाल से कार्यकर्ताओं की टीम को भगवा झंडी दिखाकर रवाना किया है। ये सेवक अयोध्या आने वाले रामभक्तों की सेवा करेंगे और भोजन की व्यवस्था करेंगे।

छत्तीसगढ़ की 6 समिति भंडारे का आयोजन करेगी। इसमें से एक टीम को रवाना किया गया है। राजधानी रायपुर के श्रीराम मंदिर से कार्यकर्ताओं की टीम को सीएम ने अयोध्या के लिए रवाना किया है। विधायक धरमलाल कौशिक को समिति का समन्वयक बनाया गया है।

सीएम साय ने रायपुर स्थित राम मंदिर का दर्शन किए इसके बाद उन्होंने सेवकों की गाड़ी को रवाना किया। इस दौरान सीएम साय कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज भगवान श्रीराम के मंदिर के प्रांगण में आने का सौभाग्य मिल रहा है। मुख्यमंत्री के नाते कार्यकर्ताओं को झंडी दिखाकर रवाना किया हूं, जो राम के दर्शन करने अयोध्या जा रहे हैं। उनके भोजन कि व्यवस्था के लिए यहां से सदस्य जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भगवान राम कि कृपा है 22 जनवरी को छत्तीसगढ के भांचा राम अयोध्या में अनेक वर्षों तक टेंट में रहने के बाद विधि विधान से स्थापित हुए। उन्होंने आगे कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से उनकी प्राण प्रतिष्ठा कि गई। छह समिति के लोग अयोध्या में भंडारा चलाएंगे और राम भक्तों को भोजन कराएंगे। भोजन कराने का काम बहुत पुण्य का काम है, मैं सभी छह टीमों को साधुवाद देता हूं। मोदी की गारंटी में हमारी योजना है नि:शुल्क प्रदेशवासियों को अयोध्या भेजा जाएगा।

जो रामभक्त श्रीराम के लिए चिट्ठियां लिख रहे हैं, उन चिट्ठियों को अयोध्या भेजा जाएगा

अयोध्या धाम में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से उनके ननिहाल में भी उत्सव का माहौल है। बीते दिनों मकर संक्रांति उत्सव शुरू हुआ है वो प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक दिन तक रहा। यह बात सीएम साय ने आज श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर राजधानी रायपुर के आकाशवाणी चौक में आयोजित महाभोग और प्रसादी कार्यक्रम में कही। इस दौरान मुख्यमंत्री ने यहां स्थित मां महाकाली मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सीएम साय ने मां काली की आरती कर उन्हें लड्डुओं का भोग चढ़ा। इस मौके पर सीएम साय को लड्डुओं से तौला गया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि हम सभी के लिए 22 जनवरी ऐतिहासिक था। अयोध्या धाम में छत्तीसगढ़ के भांजे प्रभु श्री रामलला टेंट से निकलकर भव्य मंदिर में विराजमान हुए। उन्होंने कहा कि रामायण में माता शबरी का भी जिक्र आता है और उनका आश्रम शिवरीनारायण में है। माता शबरी वनवासी थीं और उन्होंने वर्षों प्रभु का इंतजार किया। उनकी तपस्या का परिणाम था कि भगवान स्वयं उनके पास आए थे और शिवरीनारायण की पावन धरा पर ही माता शबरी ने उन्हें बेर खिलाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवयुवक मंडल के तत्वावधान में रामभक्त चिट्ठियों के माध्यम से प्रभु के लिए अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं। इन चिट्ठियों को एकत्रित कर अयोध्या धाम ले जाया जाएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रभु श्री रामलला दर्शन योजना की जानकारी देते हुए कहा कि ननिहाल वासियों को सरकारी खर्चे पर प्रभु की जन्मभूमि अयोध्याधाम का दर्शन कराया जाएगा।

नई खेल नीति के साथ खेल अलंकरण समारोह आयोजित करने की मांग

खिलाड़ियों ने खेल मंत्री को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा को ज्ञापन सौंपा। इसमें नई खेल नीति, खेल अलंकरण समारोह के आयोजन सहित सात सूत्रीय मांगों को रखा गया। खेल मंत्री ने सभी मांगों को जल्द पूर्ण करने का आश्वासन दिया।

भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश खेल एवं कला सह प्रमुख अमन यादव के नेतृत्व में सभी खिलाड़ियों ने ज्ञापन सौंपा। खिलाड़ियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए हमेशा राज्य को गौरान्वित किया है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से प्रदेश के खिलाड़ियों को मान सम्मान नहीं मिल रहा हैं, वहीं अपनी मूल सुविधाओं के लिए भटकना पड़ रहा है। खिलाड़ियों की ओर से शासन के समक्ष रखी गई मांगों में खेल अलंकरण समारोह का आयोजन प्रतिवर्ष तय तिथि 29 अगस्त को करने, पिछले 4 वर्षों की प्रोत्साहन राशि खिलाड़ियों को प्रदान करने, विलंबित उत्कृष्ट खिलाड़ियों की घोषणा तत्काल प्रभाव से करने, उत्कृष्ट खिलाड़ी खेल नियम में संशोधन कर जूनियर पदक विजेता खिलाड़ियों को भी शासकीय नौकरी के लिए पात्र करना शामिल है।

इसके अलावा छत्तीसगढ़ के लिए नई खेल नीति का निर्माण, खेल विभाग में रिक्त पदों में भर्ती, कोच की भर्ती, खेलो इंडिया के पदक विजेता प्रदेश के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की मांग शामिल है। खिलाड़ियों के हित को ध्यान में रखते हुए मंत्री से सभी मांगों को तत्काल प्रभाव से पूर्ण करें, जिससे प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर सके।

छत्तीसगढ़ में 3 डिग्री तक गिरेगा पारा, और बढ़ेगी ठंड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में उत्तरी हवाओं के आगमन से बीते एक सप्ताह से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। सुबह के समय बदल छाए रहने के साथ ही बारिश भी हो रही है है। आउटर इलाकों में घना कोहरा भी छाया रहा। आज बुधवार को प्रदेश के कई जगहों में हल्की बारिश होने के आसार हैं। दिनभर मौसम ऐसे ही बने रहने की संभावना है। प्रदेश के न्यूनतम तापमान में भी कोई बदलाव की संभावना नहीं है। गुरुवार से न्यूनतम तापमान में गिरावट होने की संभावना है। इससे ठंड और बढ़ेगी।

बीते दिनों मंगलवार दिनभर बादल छाए रहे। कई इलाकों में हल्की मध्यम बारिश हुई है। वहीं एक-दो जगहों पर रुक-रुककर दिनभर बारिश हुई। इसके वजह से ठंड में बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। ठंडी हवाओं के चलने से ठिठुरन बढ़ गई है। इस ठंड में आउटर, ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में भी सुबह और रात की तरह दिन में भी ठंड लग रही है। लोग दिनभर गर्म कपड़ों में दिखाई दे रहे हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में आज बुधवार को न्यूनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव होने की संभावना नहीं है। इसके बाद गुरुवार से न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट होने की संभावना है। मौसम एक्सपर्ट का कहना है कि न्यूनतम तापमान में गिरावट होने से ठंड में बढ़ोतरी होगी। इससे प्रदेश में ठंड और बढ़ेगी।

बागेश्वर धाम सरकार के दिव्य दरबार में शामिल हुए सीएम साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी में बाबा बागेश्वर का दिव्य दरबार में शामिल हुए। उन्होंने बागेश्वर बाबा से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि का आशीर्वाद लिया। सीएम साय ने इस पावन अवसर पर श्री रामायण की आरती में भी भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज का दिन बहुत मंगलमय है, हम सभी को बाबा बागेश्वर का दिव्य प्रवचन सुनने को मिल रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई है। यह हम सब छत्तीसगढ़ वासियों के लिए बहुत खुशी की बात है कि श्री रामलला को धान का कटोरा कहे जाने वाले और प्रभु राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ से भेजे गए चावल से भोग लगाया गया है। हमारे छत्तीसगढ़ से चावल, सब्जी के साथ ही डॉक्टर और नर्सों की टीम अयोध्या भेजी गई है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ की ओर से अयोध्या में अभी दो महीने तक भंडारा चलाया जाएगा। सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की तरफ से रामलला दर्शन योजना के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्री राम के दर्शन के लिए अयोध्या भेजा जायगा। इसे सुनकर बाबा बागेश्वर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इस योजना की सराहना की। बागेश्वर बाबा ने छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से राजिम में कुंभ के स्वरूप में राजिम मेला को आयोजित करने संबंधी प्रयासों के लिए भी प्रसन्नता जाहिर की।

परेड देखने जा रहीं स्वच्छता दीदियों को साव ने झंडी दिखाकर किया रवाना

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल पर विशेष अतिथि के रूप में गणतंत्र दिवस परेड देखने नई दिल्ली जा रहीं स्वच्छता दीदियों को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने यात्रा के लिए स्वच्छता दीदियों और उनके परिजन को अपनी शुभकामनाएं दीं। केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ की 16 स्वच्छता दीदियों और उनके परिजन को नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह देखने विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। ये स्वच्छता दीदियां 25 जनवरी को केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात भी करेंगी। स्वच्छता दीदियों और उनके परिजन की नई दिल्ली रवानगी के समय आज माना विमानतल पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक श्री कुंदन कुमार, सूडा (स्डू) के सीईओ श्री सौमिल रंजन चौबे और हुडको के क्षेत्रीय प्रमुख डॉ. विवेक गुप्ता भी मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नई दिल्ली जा रहीं स्वच्छता दीदियों और उनके परिजन से विमानतल पर मुलाकात कर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह आमंत्रण प्रदेश के शहरों को स्वच्छ बनाने में जुटी महिला शक्ति के काम का सम्मान है। भारत सरकार के इस विशेष आमंत्रण से हमारी स्वच्छता दीदियों के साथ ही पूरा छत्तीसगढ़ गौरवान्वित हुआ है। केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने गणतंत्र दिवस परेड में विशेष अतिथि के रूप में गंडई नगर पंचायत की दो, कुम्हारी नगर पालिका की दो, खैरागढ़ नगर पालिका की एक, बिलासपुर नगर निगम की तीन तथा राजनांदगांव, दुर्ग, अंबिकापुर और कोरबा नगर निगम की दो-दो स्वच्छता दीदियों को आमंत्रित किया है। इन महिलाओं के साथ इनके एक-एक परिजन को भी आमंत्रित किया गया है।

केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के विशेष आमंत्रण पर स्वच्छता दीदी के रूप में काम कर रही बिलासपुर नगर निगम की श्रीमती किरण सिंह, श्रीमती पुष्पा कटरे और श्रीमती लक्ष्मी अय्यर, दुर्ग नगर निगम की श्रीमती किरण साहू और श्रीमती लक्ष्मी जांगड़े, अंबिकापुर नगर निगम की सुश्री शशि सिन्हा और श्रीमती कुसुम मिंज, कोरबा नगर निगम की श्रीमती गीता तोमर और श्रीमती विजय लक्ष्मी तिवारी, राजनांदगांव नगर निगम की श्रीमती अनिता फ्रांसिस और श्रीमती वीणा टंडन नई दिल्ली जा रही हैं। गंडई नगर पंचायत की श्रीमती गायत्री देवांगन और श्रीमती राखी खान, कुम्हारी नगर पालिका की श्रीमती शोभा चक्रधारी और श्रीमती बिमला साहू तथा खैरागढ़ नगर पालिका की श्रीमती जयश्री ताम्रकर भी नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह देखने के लिए आज विमान से रवाना हुईं।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, मंडल क्रमांक 1. रायपुर (छ.ग.)

दूरभाष : (0771) 2331431 फैक्स : (0771) 4055885 ईमेल : Sel.raipur@gov.in

निविदा निरस्तीकरण सूचना

ज्ञाप क्र. /40-237/सा.23 रायपुर, दिनांक /01/2024

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा क्रमांक 146534 एन.आई.टी. क्रमांक 201 दिनांक 11.01.2024 Construction of Borid to Chandimandir Aproach Road i/e Culverts, Length 0.90 km, Dist, Raipur को अपरिहार्य तकनीकी कारणों से निरस्त किया जाता है।

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग,
मंडल क्रमांक 1. रायपुर (छ.ग.)

जी-07296/7

चीन के दबाव में ईरान के सामने झुका पाक

राजेश बादल

पाकिस्तान और ईरान के बीच कूटनयिक संबंधों की बहाली के संकेत हैं। दोनों मुल्क इस बात पर सहमत हो गए हैं कि एक-दूसरे के राजदूत जल्द ही अपना काम शुरू कर देंगे। पहले ईरान ने पाकिस्तान की सीमा में सर्जिकल स्ट्राइक की और पाकिस्तान ने भी उत्तर देने में समय नहीं गंवाया और जवाबी कार्रवाई कर डाली। इतना ही नहीं, उसने पाकिस्तान में ईरान के राजदूत को देश से निकाल दिया और ईरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया। ताबड़तोड़ इस कार्रवाई से एशिया और मध्यपूर्व के मुल्कों में तनाव के बादल मंडराने लगे थे लेकिन इसी बीच पाकिस्तान ने अचानक यूटर्न लिया। बैक डोर डिप्लोमेसी के जरिये ईरान के साथ संवाद स्थापित किया गया और पुरानी स्थिति पर लौटने का फैसला लिया गया। सतही तौर पर यह रिश्ते सामान्य बनाने की ठीकठाक सी कोशिश दिखाई देती है, लेकिन शिया बाहुल्य ईरान और सुन्नी बाहुल्य पाकिस्तान इस फौरी समझौते पर बहुत भरोसा नहीं कर सकते। शांति बनाए रखने के लिए भले ही एक पहल के रूप में इसे स्वीकार कर लिया जाए, पर यह निश्चित है कि समस्या का यह स्थायी समाधान नहीं है। इसमें चीन और पाकिस्तान के अपने हितों के मद्देनजर एक मजबूरी भी छिपी हुई है और इस बात के पक्के संकेत हैं कि चंद रोज बाद एक बार फिर दोनों देश आमने-सामने होंगे। अलबत्ता फौरी तौर पर शांति के पीछे चीन का हाथ नजर आता है। चीन के नजरिये से सोचें तो यह उसकी घोषित नीति है कि वह ईरान, अफगानिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, म्यांमार और बांग्लादेश में भारतीय हितों को पल्लवित होते नहीं देखना चाहता। यह भी सच्चाई है कि ईरान ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान में घुसकर जो सर्जिकल स्ट्राइक की थी, उसने वास्तव में पाकिस्तान से अधिक चीन को हैरान और परेशान किया था, इसलिए जब पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की तो चीन असहज हो गया था। वह चकित था कि पाकिस्तान ने इतनी आक्रामक कार्रवाई क्यों की. पाकिस्तानी सेना ने इस बार तो इस कार्रवाई की चीन को सूचना देने की आवश्यकता भी नहीं समझी। इसीलिए चीन को संदेह हुआ कि पाकिस्तानी सेना के इस कदम के पीछे कहीं अमेरिका का हाथ तो नहीं है। चीन के ईरान से भी बेहतर रिश्ते हैं और अमेरिका के साथ दोनों ही सहज और सामान्य नहीं हैं। ईरान और अमेरिका के बीच कड़वाहट तो जगजाहिर है। इसलिए जब चीन ने आंखें तरेरीं तो पाकिस्तान के विदेश मंत्री जलील अब्बास ने ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियन से फोन पर बात की और पाकिस्तान की ओर से अफसोस का इजहार किया। अब 29 जनवरी को ईरानी विदेश मंत्री पाकिस्तान का दौरा करेंगे। आपको याद होगा कि पिछले महीने ईरान के बलूचिस्तानवाले इलाके में सिस्तान में आतंकवादी हमले में 22 ईरानी पुलिस अधिकारियों की जान चली गई थी। ईरान का आरोप था कि पाकिस्तान अपने बलूचिस्तान में ईरान विरोधी उग्रवादी गुटों को संरक्षण दे रहा है। ये गुट ईरान के लिए खतरा बन गए हैं। उसने इन्हीं गुटों के ठिकानों को केंद्र में रखकर हमला किया था, उत्तर में पाकिस्तान ने कहा था कि ईरान के दक्षिण इलाके में उन बलूच उग्रवादियों के अड्डे हैं, जो दशकों से बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग करने का हिंसक आंदोलन चला रहे हैं। पाकिस्तान यह भी आरोप लगाता रहा है कि बलूचिस्तान में अलगाववादी आंदोलन को भारत और ईरान समर्थन देते रहे हैं। यहां से इस मामले में भारतीय हितों की बात शुरू होती है। इसी इलाके में चीन ने ग्वादर बंदरगाह बनाया है और ग्वादर चीन की भारतीय क्षेत्र की उसी तरह आक्रामक घेराबंदी का हिस्सा है, जैसा कि श्रीलंका का हंबनटोटा बंदरगाह। ग्वादर बंदरगाह से यकीनन भारत की सुरक्षा चिंताएं बढ़ती हैं। इसलिए भारत ने ग्वादर के पीछे ईरान के समंदर में चाबहार बंदरगाह का निर्माण किया था।

गठबंधन के दरकने की स्क्रिप्ट

जितेंद्र भारद्वाज

विपक्षी गठबंधन (इंडिया अलायंस) में शामिल राजनीतिक दलों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर कोई सर्वमान्य फॉर्मूला तय होता, इससे पहले ही गठबंधन में तगड़े झटके लगने लगे हैं। ताजा झटका गठबंधन की वरिष्ठ सहयोगी एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दिया है। बनर्जी ने बुधवार को स्पष्ट कर दिया है कि लोकसभा चुनाव में टीएमसी अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। किसी दल के साथ ममता बनर्जी, कोई गठबंधन नहीं करेंगी। बनर्जी के इस बयान पर राजनीतिक जानकारों का कहना है कि ममता बनर्जी को जब कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने अहंकारी और बेईमान कहा था, तभी इंडिया गठबंधन के दरकने की स्क्रिप्ट लिखी गई थी। अब ममता बनर्जी के इस बयान से विपक्षी गठबंधन, मुसीबत में फंसता नजर आ रहा है।

ममता बनर्जी और कांग्रेस के बीच तनाव होने की खबरें, पिछले दो तीन माह से आ रही थीं। लोकसभा चुनाव के लिए पश्चिम बंगाल में दोनों दलों के बीच सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय नहीं हो सका था। कांग्रेस, 8 सीटें चाहती थी, तो वहीं ममता बनर्जी ने इस पार्टी को अंडर 5 में रखने की रणनीति बनाई थी। खास बात है कि इंडिया गठबंधन की कुछ बैठकों में ममता बनर्जी शामिल हुई थीं, लेकिन किसी अहम फैसले में ममता बनर्जी को फ्रंट फुट पर नहीं देखा गया। पिछले दिनों विपक्षी दलों की वर्चुअल मीटिंग में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे और सपा नेता अखिलेश यादव शामिल नहीं हुए। सीट शेयरिंग को लेकर टीएमसी, सपा और कांग्रेस के बीच तीखी बयानबाजी देखने को मिली थी। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी को अहंकारी और बेईमान कहा था। चौधरी ने अपने बयान से कांग्रेस और टीएमसी के बीच की दूरी को और ज्यादा बढ़ा दिया। चौधरी ने कहा, जिन लोगों की वजह से वो (ममता बनर्जी) नेता बनी हैं, उन्हीं को आज ममता अहंकार दिखा रही हैं। ममता और भाजपा के बीच सांठगांठ हो चुकी है। वो पीएम मोदी को धोखा नहीं देंगी। यही वजह है कि इंडिया गठबंधन में ममता, सीटों पर समझौता नहीं करना चाहती हैं।

वर्चुअल मीटिंग में एक तरफ नीतीश कुमार का संयोजक पद लेने से मना करना और दूसरी ओर तीन बड़े नेताओं का वर्चुअल मीटिंग से किनारा करना, ये गठबंधन की एकजुटता के लिए शुभ संकेत नहीं था। नीतीश कुमार की जगह, मल्लिकार्जुन खरगे को विपक्षी दलों ने इंडिया गठबंधन के अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप दी। नीतीश कुमार ने इस पद के लिए अनिच्छा जताई। नीतीश कुमार का कहना था, गठबंधन का संयोजक बनने की उनकी कोई महत्वाकांक्षा नहीं है। गठबंधन की एकजुटता जरूरी है। जमीन पर यह गठबंधन आगे बढ़ना चाहिए। राजनीतिक जानकारों का कहना है, विपक्षी दलों के नेताओं के इन बयानों को कांग्रेस ने बखूबी समझा था। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व यह बात जानता था कि देर सवेर गठबंधन में दरार आएगी। %विपक्षी गठबंधन% की वर्चुअल मीटिंग को भाजपा ने अपने लिए फायदे का सौदा, जैसा माना था। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा इस मीटिंग पर नजर रखे थे। उन्होंने कहा था, %जब मैंने विपक्षी गठबंधन की बैठक के बारे में सुना तो पता चला कि यह एक वर्चुअल बैठक है। वर्चुअल गठबंधन सिर्फ वर्चुअल बैठक ही करेगा। इससे ज्यादा वे कुछ नहीं कर सकते।

विपक्षी दलों की वर्चुअल मीटिंग में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे और सपा नेता अखिलेश यादव शामिल नहीं हुए। सीट शेयरिंग को लेकर टीएमसी, सपा और कांग्रेस के बीच तीखी बयानबाजी देखने को मिल रही है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस पार्टी असहज स्थिति में है। दोनों दलों के नेताओं के बीच बैठक होनी थी, लेकिन एन वक्त पर कांग्रेस ने सपा को फोन कर बैठक टालने का आग्रह किया। सपा की ओर से %एक्स% पर एक पोस्ट अपलोड की गई, जिसे कुछ घंटे बाद हटा लिया गया था। उसमें कांग्रेस पर धोखेबाजी का आरोप लगाया गया था। सपा प्रवक्ता फकरुल हसन का कहना था कि हम कांग्रेस से जिताऊ प्रत्याशियों के नाम दो महीने से मांग रहे हैं। अखिलेश यादव ने सीट शेयरिंग के लिए सपा महासचिव रामगोपाल यादव सहित कई नेताओं की टीम गठित कर दी है। जानकारों का कहना है कि गठबंधन की एकजुटता में सबसे बड़ी बाधा सीट शेयरिंग का कोई सर्वमान्य फॉर्मूला तय नहीं होना है। हर पार्टी, ज्यादा से ज्यादा सीट चाहती है। यूपी में सपा, कांग्रेस को दस सीटों से नीचे रखना चाहती है। मायावती का सपा और कांग्रेस, दोनों को इंतजार है।

गत वर्ष इंडिया गठबंधन की पहली बैठक, जो पटना में हुई थी, उसमें नीतीश कुमार का जोश देखने लायक था। उसके बाद बेंगलुरु, मुंबई और दिल्ली की बैठकों में नीतीश कुमार का वह जोश पूरी तरह से गायब नजर आया। उन्होंने अपनी पार्टी के अध्यक्ष ललन सिंह को हटाकर खुद कमान संभाल ली है। उनकी पार्टी के कई नेता, लालू यादव की आरजेडी को साथ लेकर चलने से खुश नहीं हैं। उधर, नीतीश कुमार भी अभी भंवर में फंसे हैं। ऐसी अफवाह उड़ती रहती है कि वे भाजपा यानी एनडीए में आ सकते हैं। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, नीतीश कुमार पिछले कुछ समय से दबाव में चल रहे हैं। जेडीयू के भीतर ही उनकी भूमिका और मुख्यमंत्री की कार्यशैली को लेकर सवाल उठ रहे थे। यही वजह रही कि नीतीश कुमार को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के साथ ही राष्ट्रीय परिषद की बैठक बुलानी पड़ी। उसमें नीतीश ने खुद पार्टी की कमान संभाल ली।

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के सूत्रों ने यूपी में बसपा की भूमिका को लेकर कहा, वहां पर हमें कोई नुकसान नहीं है। यूपी में मायावती, भले ही किसी भी समूह में शामिल न होकर अलग से चुनाव लड़ती हैं, तो उस स्थिति में भगवा टोली को कोई नुकसान नहीं होगा। यूपी में मायावती का अपने बलबूते लोकसभा चुनाव लड़ना, भाजपा के लिए फायदेमंद है। बसपा की मौजूदा राजनीतिक स्थिति ऐसी नहीं है कि इसके नेता लोकसभा चुनाव के लिए कोई बड़ा निर्णय लें। उनके लिए दिल्ली की सियासत से ज्यादा यूपी में खोई हुई जमीन वापस लेना है। ऐसे में लोकसभा चुनाव के दौरान बसपा, भाजपा के लिए किसी जोखिम का कारण नहीं बनेगी। दूसरी तरफ बसपा प्रमुख मायावती ने नववर्ष पर अपने संदेश में कहा था, देशवासी इस वर्ष लोकसभा चुनाव में सर्वजन हितैषी सरकार बनाने का प्रयास करें। उन्होंने सरकार को भी रोजगार की गारंटी सुनिश्चित कर सच्ची देशभक्ति का परिचय देने और राजधर्म का निर्वाह करने की नसीहत दी। लोगों की जेब में खर्च के लिए पैसे न हों, तो देश के विकास का ढिंढोरा कैसा व लोगों के किस काम का है।

बेरोजगारों की भारी फौज के साथ विकसित भारत कैसे संभव है। मायावती ने कहा, भाजपा की केंद्र व राज्य की सरकारें हों या कांग्रेस सहित विपक्ष के गठबंधन की राज्य सरकारें, दोनों ही जबरदस्त महंगाई, विकराल रूप धारण करती गरीबी, बेरोजगारी और पिछड़ेपन जैसी बुनियादी समस्याओं पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहीं हैं। सिर्फ लोगों का ध्यान बंटाने के लिए अलग-अलग प्रकार की %गारंटी% वितरण में लगी हैं। बसपा प्रमुख ने कहा था, पहले कांग्रेस और अब भाजपा की लंबी चली जातिवादी, अहंकारी, गैर समावेशी सरकार के दुष्प्रभाव से गरीबों का विकास लगातार बाधित हो रहा है। उससे पहले बसपा सुप्रीमो मायावती ने लोकसभा चुनाव में किसी भी गठबंधन का हिस्सा नहीं बनने की बात कही थी। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि बसपा किसी भी खेमे में शामिल नहीं होगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-2)

गतांक से आगे...

पाँचवें अध्याय में अज्ञान एवं ज्ञान की भूमिका, स्वरूप में स्थिति मोक्ष और स्वरूप से नष्ट होना बन्धन, ज्ञान एवं अज्ञान की सात भूमिकाएँ, जीवन्मुक्त का आचरण, ज्ञान भूमिका का अधिकारी, ब्रह्म की अनुभूति ही ब्रह्म प्राप्ति का उपाय, मनोलय होने पर चैतन्य की अनुभूति, जगत् के भ्रामक ज्ञान को शान्त करने का उपाय, विषयों से उपरामता, तृष्णा को नष्ट करने का उपाय अहंभाव का त्याग, मन के अभ्युदय एवं नाश से बन्धन-मुक्ति, चित् (चैतन्य) विद्या का अधिकारी, माया से बचकर ही ब्रह्म प्राप्ति सम्भव, ब्रह्म की सृष्टि माया के अधीन तथा संकल्प (आकांक्षा) के नष्ट होने से संसार का मूलोच्छेदन सम्भव जैसे विषयों का विस्तार से प्रतिपादन किया गया है।

छठे अध्याय में समाधि के अभ्यास से परमेश्वरत्व की प्राप्ति, ज्ञानियों की उपासना पद्धति, अज्ञानियों की दु:खद स्थिति, मनोनाश का उपाय, वासना त्याग का उपाय, जीवन्मुक्त की महिमा, तृष्णा की त्याग विधि, चार प्रकार के निश्चय, अद्वैतनिष्ठ व्यक्ति के लिए संसार का अभाव, मुमुक्षु की ब्रह्मनिष्ठता और अन्त में इस उपनिषद् शास्त्र के पठन-पाठन का प्रतिफल वर्णित है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि यह महोपनिषद् अपने नाम के अनुसार अनेकानेक महत्त्वपूर्ण विषयों का बड़ी कुशलता के साथ विशद विवेचन प्रस्तुत करके अध्यात्मपथ के पथिकों का समुचित मार्गदर्शन करती है।

हे परमेश्वर ! मेरे समस्त अंग-अवयव वृद्धि को प्राप्त करें। वाणी, चक्षु, कर्णेन्द्रिय आदि समस्त कर्मेन्द्रियाँ एवं ज्ञानेन्द्रियाँ, समस्त प्राण, शारीरिक एवं मानसिक शक्ति ओजस् तेजस् से परिपुष्ट एवं विकसित हों।

क्रमश: ...

किसान अपनी मेहनत की कमाई धन को दान देकर मनाते हैं छेरछेरा त्यौहार

दिलीप पटेल

छेरछेरा त्यौहार 2024 में 25 जनवरी दिन गुरुवार को है, इस दिन पौष माह की पूर्णिमा तिथि है। छेरछेरा त्यौहार का कोई शुभ मुहूर्त नहीं होता है पूर्णिमा तिथि को दिन रात शुभ माना जाता है।

सनातन संस्कृति में दान देने की परंपरा हजारों साल से चली आ रही है। राजा बलि ने तीनों लोक भगवान विष्णु को दान कर दिया था। इसी तरह कर्ण भी अपना कवच, कुंडल दान करके महा दानी कहलाए। बर्बरीक ने भी अपना शीश दान किया और खाटू श्याम के रूप में पूजे गए। दान करना हमारी संस्कृति है। छत्तीसगढ़ में भी हिंदू संवत्सर के पौष माह की पूर्णिमा तिथि पर हर घर में दान देने की परंपरा निभाई जाती है। इस दिन कोई भी मांगने के लिए आ जाए तो उसे कुछ न कुछ देकर ही विदा किया जाता है। दान देने का यह पर्व छेरछेरा के नाम से जाना जाता है।

जब कोई किसी के घर दान मांगने जाता है तो वह ऊंची आवाज में गीत गाता है। छेरी के छेरा छेरछेरा...माई कोठी के धान ला हेरहेरा... इस गीत को गाया जाता है। गीत सुनकर घर के लोग समझ जाते हैं कि कोई छेरछेरा मांगने आया है। घर के लोग अनाज, पैसे देते हैं। किसान यह मानते हैं कि दान देने से उनके घर में सुख समृद्धि बनी रहती है।

छेरछेरा त्यौहार छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध और लोग पारंपरिक त्यौहारों में से एक है लोग इसे बड़े ही सादगी और हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। इस पर्व पर किसी भी जाति धर्म का कोई प्रतिबंध नहीं है छत्तीसगढ़ में छेरछेरा त्यौहार सभी वर्ग जाति एवं सम्प्रदाय के लोग मनाते हैं। इस दिन को बड़ा ही पवित्र एवं शुभ दिन माना जाता है।

छत्तीसगढ़ में छेरछेरा त्यौहार जब किसान अपने खेतों से फसल काट एवं मींजाई कर अन्न को अपने घरों में भंडारण कर चुके होते हैं तब यह पर्व पौष माह की पूर्णिमा तिथि अर्थात जनवरी के महीने में मनाते हैं, यह पर्व दान देने का पर्व है किसान अपने खेतों में साल भर मेहनत करने के बाद अपनी मेहनत की कमाई धन को दान देकर छेरछेरा त्यौहार मनाते हैं। माना जाता है कि दान देना महा पुण्य का कार्य होता है किसान इसी मान्यता के साथ अपनी धन का दान देकर महान पुण्य का भागीदारी निभाने हेतु छेरछेरा त्यौहार मनाते हैं।

इस दिन बच्चे अपने गांव के सभी घरों में जाकर छेरछेरा कह कर अन्न का दान मांगते और सभी घरों में अपने कोठी अर्थात अन्न भंडार से निकालकर सभी को अन्नदान करते हैं। गांव के बच्चे टोली बनाकर घर-घर छेरछेरा मांगने जाते हैं बच्चों के अलावा गांव की महिलाएं पुरुष बुजुर्ग सभी वर्ग के लोग टोली में छेरछेरा त्यौहार मनाने घर घर जाकर छेरछेरा दान मांगते हैं। छत्तीसगढ़ में छेरछेरा त्यौहार पौष पूर्णिमा पौष मास शुक्ल पक्ष पुर्णिमा तिथि अर्थात छत्तीसगढ़ी बोली में पूश पून्नी को मनाया जाता है। पौष मास पूर्णिमा तक छत्तीसगढ़ में सभी किसान अपने खेतों से फसल काटकर अपने घरों भण्डारण कर चुके होते हैं, छेरछेरा त्यौहार किसानों एवं अन्न से जुड़ा हुआ त्यौहार है।

सामाजिक न्याय के लिए समर्पित थे कर्पूरी ठाकुर

नरेंद्र मोदी

हमारे जीवन पर कई लोगों के व्यक्तित्व का प्रभाव रहता है। जिन लोगों से हम मिलते हैं, हम जिनके संपर्क में रहते हैं, उनकी बातों का प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन कुछ ऐसे व्यक्ति भी होते हैं, जिनके बारे में सुनकर ही आप उनसे प्रभावित हो जाते हैं। मेरे लिए ऐसे ही रहे हैं जननायक कर्पूरी ठाकुर। आज कर्पूरी बाबू की 100वीं जयंती है। मुझे कर्पूरी जी से कभी मिलने का अवसर तो नहीं मिला, लेकिन उनके साथ बेहद करीब से काम करने वाले कैलाशपति मिश्र जी से मैंने उनके बारे में बहुत कुछ सुना है। सामाजिक न्याय के लिए कर्पूरी बाबू ने जो प्रयास किए, उससे करोड़ों लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव आया। उनका संबंध नाई समाज, यानी समाज के अति पिछड़े वर्ग से था। अनेक चुनौतियों को पार करते हुए उन्होंने कई उपलब्धियां हासिल कीं और जीवनभर समाज के उत्थान के लिए काम करते रहे।

कर्पूरी जी का पूरा जीवन सादगी और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा। वह अंतिम सांस तक सरल जीवनशैली और विनम्र स्वभाव के चलते आम लोगों से गहराई से जुड़े रहे। उनसे जुड़े ऐसे कई किस्से हैं, जो उनकी सादगी की मिसाल हैं। उनके साथ काम करने वाले लोग याद करते हैं कि कैसे वह इस बात पर जोर देते थे कि उनके किसी भी व्यक्तिगत कार्य में सरकार का एक पैसा भी इस्तेमाल न हो। ऐसा ही एक वाकया बिहार में उनके सीएम रहने के दौरान हुआ। तब राज्य के नेताओं के लिए एक कॉलोनी बनाने का निर्णय हुआ था, लेकिन उन्होंने अपने लिए कोई जमीन नहीं ली। जब भी उनसे पूछा जाता कि आप जमीन क्यों नहीं ले रहे हैं, तो वह बस विनम्रता से हाथ जोड़ लेते। 1988 में जब उनका निधन हुआ तो कई नेता श्रद्धांजलि देने उनके गांव गए। कर्पूरी जी के घर की हालत देखकर उनकी आंखों में आंसू आ गए कि इतने ऊंचे पद पर रहे व्यक्ति का घर इतना साधारण कैसे हो सकता है!

कर्पूरी बाबू की सादगी का एक और लोकप्रिय किस्सा 1977 का है, जब वह बिहार के सीएम बने थे। तब केंद्र और बिहार में जनता सरकार सत्ता में थी। उस समय जनता पार्टी के नेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण यानी जेपी के जन्मदिन के लिए कई नेता पटना में इकट्ठा हुए। उसमें शामिल मुख्यमंत्री कर्पूरी बाबू का कुर्ता फटा हुआ था। ऐसे में चंद्रशेखर जी ने अपने अनूठे अंदाज में लोगों से कुछ पैसे दान करने की अपील की, ताकि कर्पूरी जी नया कुर्ता खरीद सकें। लेकिन कर्पूरी जी तो कर्पूरी जी थे। उन्होंने इसमें भी एक मिसाल कायम कर दी। उन्होंने पैसा तो स्वीकार कर लिया, लेकिन उसे मुख्यमंत्री राहत कोष में दान कर दिया।

सामाजिक न्याय तो कर्पूरी जी के मन में रचा-बसा था। उनके राजनीतिक जीवन को एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रयासों के लिए जाना जाता है, जहां सभी लोगों तक संसाधनों का समान रूप से वितरण हो और सामाजिक हैसियत की परवाह किए बिना उन्हें अवसरों का लाभ दिया जाए। उनके प्रयासों का उद्देश्य भारतीय समाज में पैठ बना चुकी कई असमानताओं को दूर करना भी था।

अपने आदर्शों के लिए कर्पूरी जी की प्रतिबद्धता ऐसी थी कि उस कालखंड में भी जब सब ओर कांग्रेस का राज था, उन्होंने कांग्रेस विरोधी लाइन पर चलने का फैसला किया। दरअसल, उन्हें काफी पहले ही इस बात का अंदाजा हो गया था कि कांग्रेस अपने बुनियादी सिद्धांतों से भटक गई है।

कर्पूरी जी की चुनावी यात्रा 1950 के दशक के प्रारंभिक वर्षों में शुरू हुई और यहीं से वह राज्य के सदन में एक ताकतवर नेता के रूप में उभरे। वह श्रमिक वर्ग, मजदूर, छोटे किसानों और युवाओं के संघर्ष की सशक्त आवाज बने। शिक्षा एक ऐसा विषय था, जो कर्पूरी जी के हृदय के सबसे करीब था। उन्होंने पूरे राजनीतिक जीवन में गरीबों को शिक्षा मुहैया कराने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। वह स्थानीय भाषाओं में शिक्षा देने के पैरोकार थे, ताकि गांवों और छोटे शहरों के लोग भी अच्छी शिक्षा प्राप्त करें और सफलता की सीढ़ियां चढ़ें। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने बुजुर्ग नागरिकों के कल्याण के लिए भी कई अहम कदम उठाए।

डेमोक्रेसी, डिबेट और डिसक्शन तो कर्पूरी जी के व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा था। लोकतंत्र के लिए उनका समर्पण भाव, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान ही दिख गया था, जिसमें उन्होंने अपने-आप को झोंक दिया। उन्होंने देश पर जबरन थोपे गए आपातकाल का भी पुरजोर विरोध किया था। जेपी, डॉ. लोहिया और चरण सिंह जी जैसी विभूतियां भी उनसे काफी प्रभावित हुई थीं।

समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने के लिए कर्पूरी जी ने एक ठोस कार्ययोजना बनाई थी। यह सही तरीके से आगे बढ़े, इसके लिए पूरा तंत्र तैयार किया था। उन्हें उम्मीद थी कि एक ना एक दिन इन वर्गों को भी उचित प्रतिनिधित्व और अवसर जरूर दिए जाएंगे। हालांकि उनके इस कदम का काफी विरोध हुआ, लेकिन वह दबाव के आगे झुके नहीं। उनके नेतृत्व में ऐसी नीतियों को लागू किया गया, जिनसे समावेशी समाज की मजबूत नींव पड़ी। वह समाज के सबसे पिछड़े वर्ग से थे, लेकिन काम उन्होंने सभी वर्गों के लिए किया। उनमें किसी के प्रति रत्तीभर भी कड़वाहट नहीं थी और यही उन्हें महानता की श्रेणी में ले आता है।

हमारी सरकार निरंतर कर्पूरी जी से प्रेरणा लेते हुए काम कर रही है। यह हमारी नीतियों और योजनाओं में भी दिखाई देता है, जिससे देशभर में सकारात्मक बदलाव आया है। भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी त्रासदी यह रही थी कि कर्पूरी जी जैसे कुछ नेताओं को छोड़कर सामाजिक न्याय की बात बस एक राजनीतिक नारा बनकर रह गई थी। कर्पूरी जी के विजन से प्रेरित होकर हमने इसे एक प्रभावी गवर्नेंस मॉडल के रूप में लागू किया। मैं विश्वास और गर्व के साथ कह सकता हूं कि भारत के 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने की उपलब्धि पर आज कर्पूरी जी जरूर गौरवान्वित होते। गरीबी से बाहर निकलने वालों में समाज के सबसे पिछड़े तबके के लोग सबसे ज्यादा हैं, जो आजादी के 70 साल बाद भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे।

हम आज सैचुरेशन के लिए प्रयास कर रहे हैं, ताकि प्रत्येक योजना का लाभ, शत प्रतिशत लाभार्थियों को मिले। इस दिशा में हमारे प्रयास सामाजिक न्याय के प्रति सरकार के संकल्प को दिखाते हैं। आज जब मुद्रा लोन से ओबीसी, एससी और एसटी समुदाय के लोग उद्यमी बन रहे हैं, तो यह कर्पूरी जी के आर्थिक स्वतंत्रता के सपनों को पूरा कर रहा है। इसी तरह यह हमारी सरकार है, जिसने एससी, एसटी और ओबीसी रिजर्वेशन का दायरा बढ़ाया है। हमें ओबीसी आयोग (दुख की बात है कि कांग्रेस ने इसका विरोध किया था) की स्थापना करने का भी अवसर प्राप्त हुआ, जो कर्पूरी जी के दिखाए रास्ते पर काम कर रहा है। कुछ समय पहले शुरू की गई पीएम-विश्वकर्मा योजना भी देश में ओबीसी समुदाय के करोड़ों लोगों के लिए समृद्धि के नए रास्ते बनाएगी।

पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखने वाले एक व्यक्ति के रूप में मुझे कर्पूरी जी के जीवन से बहुत कुछ सीखने को मिला है। मेरे जैसे अनेकों लोगों के जीवन में कर्पूरी बाबू का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष योगदान रहा है। इसके लिए मैं उनका सदैव आभारी रहूंगा। दुर्भाग्यवश, हमने कर्पूरी जी को 64 वर्ष की आयु में ही खो दिया। हमने उन्हें तब खोया, जब देश को उनकी सबसे अधिक जरूरत थी। आज भले ही वह हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन जन-कल्याण के अपने कार्यों की वजह से करोड़ों देशवासियों के दिल और दिमाग में जीवित हैं। वह एक सच्चे जननायक थे।

आज का इतिहास

1881 थॉमस एडीसन और एलेक्जेंडर ग्राहम बेल ने ओरिएंटल टेलीफोन कंपनी की स्थापना की।
1881 थॉमस अल्वा एडीसन और एलेक्जेंडर ग्राहम बेल ने ओरिएंटल टेलीफोन कंपनी बनायी।
1890 अस्सी दिनों में जूल्स वर्ने के आसपास दुनिया से प्रेरित होकर, अमेरिकी पत्रकार नेली बेली ने तब के रिकॉर्ड 72 दिनों में दुनिया के एक पूर्वनिर्धारण को पूरा किया।
1904 पेंसिल्वेनिया के चेस्विक में कोयला खदान विस्फोट में 179 लोगों की मौत हो गयी।
1924 फ्रांस के शैमॉनिक्स में पहले शीतकालीन ओलंपिक खेलों का आयोजन हुआ।
1939 चिली के चिलान में भूकंप से 10 हजार लोग मारे गये।
1947 प्रसिद्ध गैंगस्टर अल कैपोन मरा।
1949 एकेडमी ऑफ टेलीविजन आर्ट्स एंड साइंसेज ने अमेरिकी टेलीविजन उद्योग में उत्कृष्टता के लिए पहला एमी पुरस्कार प्रदान किया।
1952 बंबई में पहले अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आयोजन हुआ।
1955 अमेरिका और पनामा ने नहर संधि पर हस्ताक्षर किये।
1971 युगांडा में आठ साल के सैन्य शासन की शुरुआत करते हुए, राष्ट्रपति मिल्टन ओबोटे से एक सैन्य तख्तापलट में ईदी अमीन दादा ने सत्ता पर कब्जा कर लिया।
1990 एवियनका फ्लाइट 52 न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनेडी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास ईंधन से बाहर चला गया और कोव नेक के गांव में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे 73 लोगों की मौत हो गई।
1993 वर्जीनिया के लैंगली में केंद्रीय खुफिया एजेंसी मुख्यालय के बाहर पांच लोगों को गोली मार दी गई, जिससे दो लोगों की मौत हो गई।
1995 नॉर्वेजियन और अमेरिकी वैज्ञानिकों की एक टीम ने एक ब्लैक ब्रेंट ड्ढड्ढ साउंडिंग रॉकेट लॉन्च किया, जिसे रूसी सेना द्वारा ट्राइडेंट मिसाइल के लिए गलत किया गया था।
1998 ग्रीस, यूजीन ओ नील थिएटर न्यूयॉर्क सिटी में बंद हुआ। यह 1,503 प्रदर्शनों के बाद बंद हुआ।
1998 ऑफिस डिपो LPGA टूर्नामेंट हेलेन अल्फ्रेडसन द्वारा जीता जाता है।
1998 सुपर बाउल XXXII: क्वालकॉम स्टेडियम, सैन डिएगो, डेनवर ब्रोंकोस ने ग्रीन बे पैकर्स को 31-24 से हराया।
1999 कोलंबिया में पिछले 16 वर्षों में आया एक भूकंप में 300 लोगों की मौत हो गई जबकि एक हज़ार लोग घायल हुए।
1999 कोलंबिया भूकंप की चपेट में है। यह बताया गया है कि आर्मेनिया में 1,185 मारे गए थे।

सबके राम-सबमें राम की भावना

प्रो. संजय द्विवेदी

अयोध्या में 22 जनवरी,2024 को रामलला विराजे और तमाम आँखें सजल हो उठीं। ये आँसू यूं ही नहीं आए थे। ये भारत की लगातार आहत होती सभ्यता को एक सुनहरे पल में प्रवेश करते देखकर भर आई आँखें थीं। अयोध्या को इस तरह देखना विरल है। यह शहर सालों से सन्नाटे में था, गहरी उदासी और गहरे अवसाद में डूबा, शांत और उत्साहहीन। जैसे इतिहास और समय एक जगह ठहर गया हो और उसने आगे न बढ़ने की ठान रखी हो। दूरस्थ स्थानों से अयोध्या आते लोग भी हनुमान गढ़ी और कनक भवन जैसे स्थानों को देखकर लौट जाते। चौदहकोसी परिक्रमा करते और चले जाते। राम के लिए आए लाखों लोगों में बहुत कम लोग त्रिपाल या टाट में बैठे रामलला के दर्शन करते। लेकिन 22 जनवरी का नजारा अलग था। हर राह राममंदिर की ओर जा रही थी। आँखों में आँसू, चेहरे पर मुस्कान और पैरों में तूफान था। आखिर हमारे राम को उनके अपने घर और शहर में सम्मान मिलते देखना अद्भुत अनुभव था। सदियां गुजर गईं लेकिन सत्य स्थिर था। इसी सत्य को देखने सारी दुनिया टीवी, मोबाइल स्क्रीन पर आँखें गड़ाए बैठी थी। विवाद का अंत हुआ और सत्यमेव जयते का उद्घोष सार्थक हुआ। यह समाधान सर्वजनहिताय तो था ही।

कभी त्रेता में वनवास गए राम कलयुग में भी एक दूसरी दुविधा के सामने थे। आजाद हिंदुस्तान में भी भारत के इस सबसे लायक बेटे के लिए मंदिर की प्रतीक्षा थी। बाबर के सेनापति द्वारा गिराए मंदिर के सामने पूजा-अर्चना करके आहत समाज यह सोचते हुए लौटता था कि कभी राम का भव्य मंदिर बनेगा। 2024 की यह 22 जनवरी करोड़ों आँखों के सपने सच करने के लिए आई थी। राम भारत के राष्ट्रनायक हैं, जिन्होंने अयोध्या से रामेश्वरम् को जोड़ा। वे दीन-दुखियों के, जीवन जीने के लिए संघर्ष करती आम जनता के पहले और अंतिम सहायक हैं। रामचरित मानस और हनुमान चालीसा की पंक्तियों को दोहराते हुए यह संघर्षरत समाज राम के सहारे ही अपनी जीवनयात्रा को सरल बनाता रहा है। बावजूद इसके आजादी के बाद भी सबको मुक्त करने वाले नायक को मुक्ति नहीं मिली। लंबे समय तक तो वो ताले में बंद रहे। अखंड कीर्तन चलता रहा। किंतु राहें आसान नहीं थीं। अयोध्या आंदोलन की यादें आपको सिहरा देंगीं। 1990 और 1992 की यादें एक गहरी कड़वाहट घोल जाती हैं। राजनीति किस तरह आसान मुद्दों को भी जटिल बनाती है। इसकी कहानी अयोध्या आज भी बताती है। अयोध्या अब अपने सदियों के दर्द से मुक्त मुस्करा रही है।

दुनिया के किसी पंथ,संप्रदाय के महानायक के साथ यह होता तो क्या होता? सोचकर भी सिहरन होती है। किंतु भारत में यह हुआ और हिंदू समाज के अपार धैर्य, सहनशीलता की कथा फिर से दोहराई गयी। एक साधारण मंदिर नहीं अपने राष्ट्रपुरूष, राष्ट्रनायक की जन्मभूमि के लिए भी लंबा अहिंसक संघर्ष सड़क से लेकर अदालतों तक चलता रहा। सही मायने में 22 जनवरी का दिन हमारे राष्ट्रजीवन में 15 अगस्त,1947 से कम महत्त्पूर्ण नहीं है। क्योंकि 15 अगस्त के दिन हमें अंग्रेजों की गुलामी से आजादी मिली थी तो 22 जनवरी को हम सांस्कृतिक, वैचारिक दासता और दीनता से मुक्त हो रहे हैं। यह भारत की चिति को प्रसन्न करने का क्षण है। यह आत्मदैन्य से मुक्ति का क्षण है। यह क्षण अप्रतिम है। वर्णनातीत है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से लेकर स्व. राजीव गांधी (अपनी अयोध्या यात्रा में) तक रामराज्य लाने की बात करते हैं। किंतु उस यात्रा की ओर पहला कदम आजादी के अमृतकाल में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बढ़ाया है। इसलिए सारा देश उनके साथ खड़ा है। कांग्रेस नेता श्री प्रमोद कृष्णन ने सत्य ही कहा है कि यदि श्री मोदी प्रधानमंत्री नहीं होते तो मंदिर निर्माण संभव नहीं होता।

रामलला का 496 वर्षों बाद अपनी जन्मभूमि पर पुन:स्थापित होना सबको भावविह्वल कर गया। दुनिया भर में बसे 100 करोड़ से ज्यादा हिंदुओं और भारतवंशियों के लिए यह गौरव का क्षण था। इस मौके पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख डा. मोहन भागवत जी ने किसी तरह का राजनीतिक संवाद न करते हुए जो बातें कहीं वो भविष्य के भारत की आधारशिला बनेंगीं। संघ प्रमुख ने रामराज्य की अवधारणा को व्याख्यायित करते हुए भविष्य के कर्तव्य पथ की चर्चा की। उनका कहना था-आज अयोध्या में रामलला के साथ भारत का स्व लौट आया है। संपूर्ण विश्व को त्रासदी से राहत देने वाला एक नया भारत खड़ा होकर रहेगा। उसका प्रतीक यह कार्यक्रम बन गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर साफ कहा कि- राम आग नहीं ऊर्जा हैं।राम विवाद नहीं समाधान हैं। राम विजय नहीं विनय हैं। राम सिर्फ हमारे नहीं, सबके हैं। यह बात बताती है कि माननीय प्रधानमंत्री एक नए भारत के स्वप्नदृष्टा हैं। नया भारत बनाने और उसमें एक जीवंत ऊर्जा का संचार करने के लिए प्रधानमंत्री ने न सिर्फ रामलला की मूर्ति स्थापना के लिए 11 दिनों का व्रत विधानपूर्वक बिना ठोस भोजन लिए पूर्ण किया, बल्कि उनकी विराट सोच ने इस आयोजन को और भी अधिक भव्य और सरोकारी बना दिया। देश के विविध क्षेत्रों की माननीय प्रतिभाओं को एक स्थान पर एकत्र कर राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट ने इस आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। राजनीति से परे हटकर इस घटना का विश्लेषण करना ही इसे सही अर्थ में समझना होगा। तभी हम भारत और उसकी महान जनता के मन में रमे राम को समझ पाएंगें। 'सबके राम-सबमें राम'की भावना स्थापित कर हम राममंदिर को राष्ट्रमंदिर में बदल सकते हैं। जिससे मिलने वाली ऊर्जा दिलों को जोड़ने, मनों को जोड़ने का काम करेगी। यह अवसर भारत का भारत से परिचय कराने का भी है। जनमानस में आई आध्यात्मिक और नैतिक चेतना को देखकर लगता है कि भारत की एक नई यात्रा प्रारंभ हुई है, जो चलती रहेगी बिना रूके, बिना थके।

डॉ. शिवओम अंबर ने लिखा है-

राम हमारा कर्म, हमारा धर्म, हमारी गति है।
राम हमारी शक्ति, हमारी भक्ति, हमारी मति है।
बिना राम के आदर्शों का चरमोत्कर्ष कहां है?
बिना राम के इस भारत में भारतवर्ष कहां है?

हमारी विरासत को संजोता श्रीराम मंदिर

प्रज्ञा पाण्डेय

राम मंदिर से देश की राष्ट्रीय, सांस्कृतिक एकता और अखंडता सुदृढ़ होगी एवं समस्त विश्व में भारत विश्व बन्धुत्व का संदेश देगा और भारतीय जनमानस का आत्मबल बढ़ेगा। राम मंदिर का निर्माण भारतीय संस्कृति के उत्थान में प्रमुख स्थान रखता है। हमारा देश सदियों से गुलामी की जंजीरों में न केवल जकड़ा रहा बल्कि विदेशी आक्रांताओं ने केवल भारत को लूटा अपितु उसकी संस्कृति को नष्ट भ्रष्ट करने की भी कोशिश की। प्राचीन काल में मंदिरों केवल पूजा स्थल ही नहीं थे बल्कि गुरूकुल जैसा वातावरण रहता था। इन गुरुकुलों में शिष्य मंदिर की भूमि पर न केवल खेती करते बल्कि वहीं सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, ऐतिहासिक सभी आयामों के कला कौशल का ज्ञान प्राप्त करते थे। श्रीराम मंदिर नए भारत का प्रतीक होगा जो भारत को एक बार फिर विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता देगी। श्रीराम चंद्र की नगरी अयोध्या बाकी दुनिया के लिए प्रेरणा स्रोत होगी। श्रीराम मंदिर हिंदुओं की आस्था से जुड़ा मामला है। हम हिन्दुओं के श्रद्धेय भगवान श्रीराम मर्यादा पुरूषोत्तम थे, आज विश्व में शांति की स्थापना के लिये उसी मर्यादा की जरूरत है। राम का चरित्र अनुकरणीय है और उनका जीवन ही विश्व का उत्थान कर सकता है। विश्व प्रसिद्ध तकनीक एवं अद्वितीय शैली से बने मंदिर को देखने के लिए देश विदेश से करोड़ों पर्यटक आएंगे। पर्यटकों के आने से शहर के धर्मशाला, होटल, रेस्टारेन्ट, परिवहन और कलाकृति प्रत्येक क्षेत्र का विकास होगा। यही नहीं आने वाले पर्यटक भी अयोध्या से लौट कर भी हमारी परम्परा व संस्कृति का गुणगान करेंगे। प्रभु श्रीराम का जन्म अयोध्या में होना एक प्रतीक मात्र है। वह तो इस पूरी सृष्टि के आधार हैं। वह आदर्श पुरुष ही नहीं बल्कि मर्यादाओं को स्थापित करने वाले मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम हैं। वह एक आदर्श पुत्र और राजा भी हैं। इसलिए श्रीराम के रामराज्य को सभी लोग हर युग में आदर्श मानकर उसे स्थापित करने का प्रयास करते हैं। रामराज्य का अर्थ एक व्यक्ति का शासन नहीं बल्कि एक आदर्श शासन की स्थापना है, जिसमें राजा और प्रजा दोनों एक दूसरे के पूरक हों। राजा एक पिता की तरह अपनी प्रजा का पालन करें तो समस्त प्रजा सुख की अनुभूति करते हुए अपने पिता तुल्य राजा के प्रति समर्पित एवं विश्वास से परिपूर्ण हो। श्री राम सारे विश्व के लिए हितकारी, कल्याणकारी और लाभदायक है। भगवान वाल्मीकि ने श्रीमद् वाल्मीकीय रामायण में भगवान रामचंद्र के अनेक गुणों का वर्णन करते हुए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम से सुशोभित किया है क्योंकि वह सहनशीलता, धैर्य, सहयोग, प्यार, क्षमा, वीरता के गुणों से संपन्न थे। राम पूरी मानव जाति को प्रेरणा देने वाले आदर्श हैं और वह सृष्टि के प्राण हैं। सभी मापदंडों में आदर्श स्थापित करने के कारण ही अर्थव्यवस्था एवं राजनीति में राम राज्य की परिकल्पना की जाती है। भगवान राम भारतवर्ष की आत्मा हैं। उन्हें भारत से अलग नहीं रखा जा सकता। अयोध्या में श्रीराम का मंदिर बनना भारतीय संस्कृति एवं सनातन धर्म की रक्षा के लिए भी आवश्यक है। मंदिर निर्माण हो रहा है तो धर्म की विजय पताका भी जोरों से फैल रही है। मंदिर निर्माण का उद्देश्य भविष्य में आने वाली पीढ़ियों को भगवान राम के आदर्शों से परिचित कराना भी है। अयोध्या में बना भगवान श्रीराम का मंदिर सदियों तक पूरी मानव जाति को धर्म का आचरण करने को प्रेरित करता रहेगा। मानव जीवन के हर क्षेत्र में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम प्रेरणा स्त्रोत एवं आदर्श हैं। प्रभु श्रीराम लोगों के जीवन रूपी नइया को पाप रूपी अंधकार से धर्म रूपी उजाले की ओर ले जाते हैं। भगवान राम का जीवन हर युग में आदर्श एवं प्रासंगिक रहा है। उनके आदर्शों की प्रासंगिकता आज और भी अधिक बढ़ जाती है। उनके आदर्श हमारे जीवन पथ को प्रशस्त करते हैं।

एक राष्ट्र, एक चुनाव के विरोध में विपक्ष, आम लोगों का मिल रहा साथ

अंकित सिंह

देश में एक राष्ट्र, एक चुनाव को लेकर चर्चा जबरदस्त तरीके से चर्चा है। केंद्र में जब से मोदी सरकार आई है, तब से एक राष्ट्र-एक चुनाव को लेकर लगातार बातें कही जा रही हैं। इसी कड़ी में पिछले दिनों एक समिति का गठन किया गया था। इसकी अध्यक्षता पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को दी गई थी। पिछले दिनों एक राष्ट्र, एक चुनाव पर 46 राजनीतिक दलों से सुझाव मांगे गए थे। अब तक 17 राजनीतिक दलों ने अपने सुझाव दिए हैं। इसके अलावा कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति को जनता से भी 21000 सुझाव मिले हैं जिसमें 81% लोगों ने देश में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करने पर अपने सहमति दी है। हालांकि, कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने एक साथ चुनाव कराने का विरोध किया है। विपक्षी दलों की ओर से साफ तौर पर कहा जा रहा है कि यह देश की संघीय विचारधारा के खिलाफ है। देश में चुनाव कराने में बहुत ज्यादा खर्च होता है। 1951-1952 में हुए लोकसभा चुनाव में 11 करोड रुपए खर्च हुए थे। वहीं, 2019 के लोकसभा चुनाव में 60,000 करोड रुपए खर्च हुए थे। एक साथ चुनाव के समर्थकों का कहना है कि देश में प्रशासनिक व्यवस्था में दक्षता बढ़ेगी। अलग-अलग चुनाव होते हैं जिसकी वजह से आचार संहिता लगता है और प्रशासनिक व्यवस्था की गति काफी धीमी हो जाती है। विकास अपनी रफ्तार नहीं पकड़ पता है। एक साथ चुनाव होने के बाद केंद्र और राज्य सरकारों की नीतियों और कार्यक्रमों में निरंतरता भी सुनिश्चित हो सकेंगी। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कह चुके हैं कि एक राष्ट्र, एक चुनाव से देश के संसाधनों की बचत होगी। विकास की गति भी धीमी नहीं पड़ेगी। अगर एक साथ चुनाव कराने की बात बनती है तो संविधान में संशोधन करना होगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषय पर सरकार द्वारा गठित उच्चस्तरीय समिति को पत्र लिखकर कहा है कि संसदीय शासन व्यवस्था को अपनाने वाले देश में एक साथ चुनाव की अवधारणा के लिए कोई स्थान नहीं है तथा यह संविधान की मूलसंरचना के खिलाफ है तथा उनकी पार्टी इस विचार का पुरजोर विरोध करती है। खरगे नेकहा कि एक साथ चुनाव कराने का विचार संविधान की मूल संरचना के विरुद्ध है और यदि एक साथ चुनाव की व्यवस्था लागू करनी है तो संविधान की मूल संरचना में पर्याप्त बदलाव की आवश्यकता होगी। उन्होंने पत्र में कहा, ''जिस देश में संसदीय शासन प्रणाली अपनाई गई हो, वहां एक साथ चुनाव की अवधारणा के लिए कोई जगह नहीं है। सरकार द्वारा एक साथ चुनाव के ऐसे प्रारूप संविधान में निहित संघवाद की गारंटी के खिलाफ हैं।'' पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा कि भारत के संघीय ढांचे के मद्देनजर एक देश, एक चुनाव का विचार व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। ममता ने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) से इस मामले को बहुत ही तर्कसंगत रूप से देखने का अनुरोध किया। ममता ने अलग-अलग राज्यों की क्षेत्रीय समस्याओं और उनकी कई नीतियों की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा, भारत एक संघीय ढांचा है। हमारे यहां अलग-अलग धर्म हैं। हमारी विविधता में एकता है। अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग क्षेत्रीय समस्याएं हैं, वहां अलग-अलग समय पर चुनाव होते हैं। कुछ को स्थिर सरकार मिलती है तो कुछ को नहीं।

नये भारत के निर्माण की नींव है अयोध्या का राम मंदिर

अनिल सिंह

अयोध्या में सोमवार की सुबह पिछले एक सप्ताह से अलग थी। लगभग नौ दिनों की घनघोर ठंड के बाद सूर्य भगवान के दर्शन हो रहे थे। ऐसा लग रहा था कि भगवान सूर्य भी सूर्यवंशी रामलला मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहते हों। इस खुली सुबह में सरयू के तीरे स्थित नया घाट पर एक युवा नाविक एक सादा बोर्ड लिये घूम रहा था। वह लोगों के पीछे तेज-तेज चलते हुए उस बोर्ड पर कुछ लिखवाना चाहता है, लेकिन ज्यादातर लोग उसकी बात को अनसुना कर राम की पैड़ी पर लगे एलईडी स्क्रीन की ओर तेजी से बढ़ जाते हैं। सभी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को एलईडी स्क्रीन पर बिल्कुल पास से देखने की अधीरता थी।

वह नाविक बोर्ड लिये अपने कैमरामैन से बात कर रहे पत्रकार निशांत चौरसिया की तरफ बढ़ आता है। उनसे आग्रह करता है कि जो बोल रहा हूं उसे बोर्ड पर लिख दीजिये। निशांत जब उससे कहते हैं कि तुम खुद क्यों नहीं लिख लेते हो वह बताता है कि वह पढ़ा-लिखा नहीं है। नाव चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता है। तब निशांत लिखने को तैयार हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि वह युवा नाविक सरयू में श्रद्धालुओं को घुमाने का रेट लिस्ट लिखवाना चाहता होगा, लेकिन वह तब भौचक्क हो जाते हैं, जब युवा नाविक कहता है कि लिख दीजिये - श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मांझी समाज श्रद्धालुओं को निशुल्क बोटिंग करायेगा।

निशांत की दिलचस्पी जगती है कि रोज कमाने खाने वाले क्यों मुफ्त सैर करायेंगे वह उसका नाम तथा निशुल्क बोटिंग कराने का कारण पूछते हैं। युवा नाविक अपना नाम जोगिंदर मांझी बताता है। वह कहता है, जब भगवान श्रीराम को नदी हमारे पूर्वज निषाद राज ने पार कराई तो क्या हम उनके प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर इतना भी नहीं कर सकते हैं मीरा मांझी के घर जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो सम्मान केवट समाज को दिया है, उसके बदले तो यह कुछ भी नहीं है। हमारे समाज ने तो अपनी श्रद्धा और खुशी से

यह निर्णय लिया है। दरअसल, यह श्रद्धा और खुशी उस आत्मसम्मान और आत्मगौरव के वापस लौटने की भी है, जिसे पांच सौ साल पहले बाबर के सेनापति मीर बांकी ने उनके अराध्य की जन्मभूमि पर मस्जिद बनाकर रौंद दिया था। जोगिंदर मांझी उस भाव के प्रतिनिधि हैं, जिसे आज समूचा सनातन महसूस कर रहा है। यह भाव उस आत्मगौरव का जयघोष भी है, जिसे मुगलों ने रौंद दिया था। मुगल आक्रमणकारियों द्वारा सनातन धर्मस्थलों पर किया गया आक्रमण केवल धन लूट के लिये नहीं था बल्कि उस हौसले और आत्मसम्मान को तोड़ने के लिये था, जो सदियों तक विदेशी आक्रमणों के बाद भी अक्षुण्ण थी। महमूद गजनवी, अलाउद्दीन खिलजी जैसे आक्रमणकारियों ने सोमनाथ एवं कृष्ण जन्मभूमि जैसे सनातन धर्म के पूजा स्थलों पर कई बार लूटपाट की, तोड़-फोड़ की, लेकिन मुगल आक्रमणकारियों ने लूटपाट के बाद सनातन पूजास्थलों के ढांचे पर मस्जिदों का निर्माण कर सनातन समाज की चेतना और आत्मसम्मान पर भी चोट पहुंचाई।

धार्मिक आधार पर देश के बंटवारे के पश्चात मिली आजादी के बाद भी सनातन धर्म के आत्मसम्मान एवं आत्मगौरव को पुनर्स्थापित करने की कोई पहल नहीं हुई। पाकिस्तान के अलग देश बनने के बाद भी हिंदू अपने हिंदुस्तान में दोयम दर्जे का नागरिक बनकर जीने को मजबूर रहा। हिंदुत्व की बात करना धर्मनिरपेक्षता के विरुद्ध था। अपने ही देश में दोयम होने की यह टीस उसे चुभती थी। आजादी के बाद अपने ही आराध्य की जन्मभूमि पाने के लिये उसे सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक संघर्ष करना पड़ा। अपना खून बहाना पड़ा। गोलियों का शिकार होना पड़ा। राम जन्मभूमि पर रामलला मंदिर का निर्माण पांच सौ साल में लाखों लोगों के बलिदान एवं संघर्ष का सुखद समापन है, परंतु यह अंत नहीं, शुरुआत है।

यह प्रस्थान बिंदु है उस आत्मगौरव का, उस आत्म विश्वास का, जिसका धैर्यपूर्वक पांच सौ सालों से राम के अनुयायियों और भारत को इंतजार था। राम मंदिर का निर्माण मरहम है, उस दर्द और टीस का, जो आजादी के बाद भी खत्म होने का नाम नहीं ले रही थी। इस मरहम के असर को केवल महसूस किया जा सकता है। भावों के जरिये समझा जा सकता है। शब्दों से इसकी व्याख्या नहीं की जा सकती है। इस भाव को वही समझ सकता है, जिसने अयोध्या में राम की पैड़ी पर लगे एलईडी स्क्रीन के सामने खड़े होकर प्राण प्रतिष्ठा के दौरान श्रद्धालुओं की नम और बहती आंखें देखी हों, जिसने उनके सिसकने की आवाजें सुनी हों, जिसने उनके मुख से जय श्रीराम का कानफोड़ू घोष सुना हो। राम मंदिर का निर्माण केवल सदियों से चली आ रही गुलाम मानसिकता का अंत भर नहीं है, बल्कि यह नये भारत के निर्माण की नींव है। यह नये भारत के विश्वास एवं भरोसे का प्रतीक है। यह नये भारत के आत्मगौरव एवं आत्मसम्मान का उद्घोष है। यह मजबूत एवं निर्णय लेने वाले भारत की प्राण प्रतिष्ठा भी है।इतिहास को यह दर्ज करने को मजबूर होना पड़ेगा कि हजारों साल तक शक, हूण, यवन, मंगोलों, इस्लामी, मुगल, पुर्तगाली, फ्रांसीसी, अंग्रेजों और घर के जयचंदों से जूझने के बावजूद हिंदू समाज अपने धैर्य एवं बलिदान के बल पर अपने धर्म सत्ता के सर्वोच्च प्रतीक को जन्मस्थल पर पुनर्स्थापित करने सफल रहा। संभवत: यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या से उद्घोष किया कि अब भारत का कालचक्र बदल गया है। अब आगे शुभ ही शुभ होगा। उन्होने अगले हजार साल की सीमारेखा खींची है। मतलब आनेवाली पीढियां जिस भारत में जियेंगी वो आत्महीनता की बजाय आत्मगौरव के साथ आगे बढेंगी। वो उस भारत के निर्माण का प्रयास करेंगी जिसे संतजन रामराज्य कहते हैं। उस रामराज्य के लिए ही चक्रवर्ती सम्राट मर्यादापुरुषोत्तम राजा राम अपने धाम में विराजे हैं।

राम मन्दिर का चुनावों पर कितना असर पड़ेगा?

अजय सेतिया

श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में रामलला की प्रतिमा में प्राण प्रतिष्ठा के बाद की राजनीति कैसी होगी, उसकी झलक दो घटनाओं से मिलती है। कांग्रेस के नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने अयोध्या पहुंच कर कहा कि भले ही जन्मभूमि मन्दिर सुप्रीमकोर्ट के फैसले से बना है, लेकिन अगर नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं होते तो फैसला भी नहीं आता और मन्दिर भी नहीं बन पाता। यही वह बात है, जो देश का हर हिन्दू मानता है, और यही वह बात है, जिसे आचार्य प्रमोद की कांग्रेस पार्टी नकारती है। इसी तरह जेडीयू के प्रवक्ता डा. सुनील कुमार सिंह ने इस बात से नाराज हो कर पार्टी छोड़ दी कि न्योता मिलने के बाद भी नीतीश कुमार रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में नहीं गए।

विपक्षी दल ऐसा समझते हैं कि श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर चुनावी मुद्दा नहीं बनेगा। इसलिए कांग्रेस, वामपंथी दलों और राष्ट्रीय जनता दल ने मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को संघ और भाजपा का कार्यक्रम बता कर उसका बायकाट कर दिया। बायकाट उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, अरविन्द केजरीवाल, शरद पवार और नीतीश कुमार ने भी किया, लेकिन चारों ने बायकाट का एलान नहीं किया। बल्कि इन सभी ने कहा कि वे प्राण प्रतिष्ठा के बाद सपरिवार दर्शन करने जाएंगे। ममता बनर्जी ने अलग रास्ता अपनाया, उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को राजनीतिक बता कर बंगाल के मन्दिरों में भ्रमण का कार्यक्रम बना लिया। वह अच्छी तरह जानती है कि बंगाल में हिंदुत्व अपने उभार पर है, और इसी हिंदुत्व के उभार के कारण भाजपा 2019 में लोकसभा की 18 सीटें जीत गई थी। इसलिए ममता बनर्जी ने हिन्दू धर्म में अपनी श्रद्धा का प्रकटीकरण किया। वैसे कांग्रेस की तरह विपक्ष के अन्य सभी दल भी मानते हैं कि श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर निर्माण चुनावी मुद्दा नहीं बनेगा, लेकिन अधिकांश नेताओं ने विरोध का रिस्क नही लिया।

उद्धव ठाकरे के सिपहसालार संजय राउत ने यह भ्रम फैलाने की कोशिश की कि मन्दिर वहां बना ही नहीं, जिसके लिए 500 साल संघर्ष हुआ था। जबकि सब जानते हैं कि मन्दिर वहीं बना है। योगी आदित्यनाथ ने प्राण प्रतिष्ठा के बाद दिए भाषण में कहा- हमने कहा था मन्दिर वहीं बनाएंगे और मन्दिर वहीं बना है। विपक्षी दलों में सबसे बड़ी मुश्किल में कांग्रेस खड़ी हुई है। उसे अपनी गलती का एहसास है, उसने प्राण प्रतिष्ठा का न्योता अस्वीकार करने का एलान तो कर दिया, लेकिन बाकी दलों के नेताओं की तरह यह नहीं कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेता प्राण प्रतिष्ठा के बाद किसी दिन श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के दर्शन करने जाएंगे। ऐसा कह दिया होता, तो राहुल गांधी की यात्रा को प्राण प्रतिष्ठा के खिलाफ कांग्रेस का कार्यक्रम नहीं माना जाता। धारणा यह बनी है कि प्राण प्रतिष्ठा का बायकाट करके वह अपनी न्याय यात्रा पर निकल गए। सारी कांग्रेस उनकी यात्रा को सफल बनाने में लग गई, कांग्रेस के भीतर धारणा यह बनी कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का बायकाट करना है।

कांग्रेस को अपनी गलती का एहसास राहुल गांधी की यात्रा शुरू होने के बाद हुआ। इसलिए 14 जनवरी को यह कार्यक्रम बनाया गया कि राहुल गांधी 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के समय यात्रा मार्ग में पड़ने वाले श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली में दर्शन करने

जाएंगे। श्रीमंत शंकरदेव पन्द्रहवीं शताब्दी के समाज सुधारक वैष्णव मत के प्रचारक संत थे। राहुल गांधी के सलाहकार जयराम रमेश ने कहा कि उन्होंने यह प्रोग्राम इसलिए बनाया था, ताकि लोग यह न कहें कि राहुल गांधी नौगाँव से गुजर रहे थे, लेकिन असम में अत्याधिक सम्मानित वैष्णव मत के प्रवर्तक और समाज सुधारक शंकरदेव के जन्मस्थल पर नहीं गए। श्रीमंत शंकरदेव जन्मस्थल मन्दिर की मैनेजिंग कमेटी ने 21 जनवरी को राहुल गांधी को सूचित कर दिया था कि श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में प्राण प्रतिष्ठा के कारण सुबह वहां दस हजार से ज्यादा लोग जमा होंगे, इसलिए वह 3 बजे के बाद आएं। इस पर राहुल गांधी आग बबूला होकर धरने पर बैठ गए। राहुल गांधी और जयराम रमेश को इसमें भी असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा की साजिश नजर आने लगी। उन्होंने कहा कि हमें मन्दिर से न्योता मिला था, लेकिन पुलिस उन्हें जाने नहीं दे रही। जबकि यह बिलकुल गलत है, मन्दिर ने उन्हें कोई न्योता नहीं दिया था।

प्राण प्रतिष्ठा के बायकाट से हुए नुकसान की भरपाई के लिए वह ठीक उसी समय मन्दिर में दर्शन करने जाना चाहते थे। राहुल गांधी ने यह भी कहा आज शायद एक ही व्यक्ति को मन्दिर जाने की इजाजत है। उनका इशारा रामजन्मभूमि मन्दिर में उस समय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे नरेंद्र मोदी की ओर इशारा था, जहां देश के हजारों गणमान्य व्यक्ति मन्दिर दर्शन करने पहुंचे हुए थे। कांग्रेस के मौजूदा अपरिपक्व नेतृत्व के गलत फैसले के कारण कांग्रेस की यह स्थिति पैदा हुई कि उन्हें प्राण प्रतिष्ठा के बायकाट की भरपाई के लिए रास्ते का मन्दिर ढूंढना पड़ा। जैसे देश भर से हर क्षेत्र के गणमान्य लोग प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पहुंचे, उसका चुनावों पर असर पड़ने की पूरी संभावना है। जिसका सर्वाधिक असर भाजपा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बिहार, बंगाल और महाराष्ट्र में पड़ेगा, जहां भाजपा इंडी गठबंधन के मुकाबले खुद को कमजोर पा रही है।

22 जनवरी को जो वातावरण बना है, उसे चुनाव तक बनाए रखने के लिए भाजपा 24 जनवरी से श्रीराम जन्मभूमि दर्शन अभियान शुरू कर रही है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के 24 जनवरी को रामलला के दर्शन से अभियान की शुरुआत होगी, जो आने वाले दो महीनों तक चलेगा। देश भर से लोगों को रामलला के दर्शन करवाने के लिए लाया जाएगा, जिसके लिए भाजपा ने 20 हजार लोगों को रोज रुकवाने की व्यवस्था कर ली है। क्योंकि दर्शनार्थी देश भर से आएँगे, इसलिए सभी प्रदेशों से 200 से ज्यादा कार्यकर्ता उन्हीं की भाषा में उनका स्वागत और संवाद करने के लिए दो महीनों तक अयोध्या में तैनात रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 11 दिन के व्रत के दौरान चार दिन तक दक्षिण भारत के मन्दिरों में पूजा पाठ करके दक्षिण में भी भाजपा के लिए अलख जगाने का काम किया है। इसमें कोई शक नहीं कि भाजपा श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के निर्माण को राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है, और करेगी भी।

कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों को भाजपा के तीनों पुराने मुद्दों के विरोध का खामियाजा 2024 में भुगतना पड़ेगा। इन पांच वर्षों में भाजपा ने तीन में से दो मुद्दे पूरे कर दिए हैं। इन्हीं पांच सालों में कश्मीर से 370 भी खत्म हो गई और श्रीराम जन्मभूमि पर रामलला का मन्दिर भी बन गया। अब कांग्रेस या विपक्षी दल कितना भी कहें कि रामजन्मभूमि मन्दिर तो कोर्ट के फैसले से बना है, कांग्रेस के ही नेता आचार्य प्रमोद कह रहे हैं कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री न होते, तो श्रीराम जन्मभूमि पर मन्दिर नहीं बनता। और यही आम हिन्दुओं की धारणा भी है। उद्धव ठाकरे को भी महाराष्ट्र में चुनावी असर का आभास है, इसलिए उनकी पार्टी यह भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है कि मन्दिर उस स्थान पर नहीं, उससे चार किलोमीटर दूर बना है। बिहार में हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण में कहा गया है श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के कारण भाजपा को छह प्रतिशत वोट ज्यादा मिल सकता है। अगर बिहार जैसे जाति आधारित राजनीति वाले प्रदेश में इतना असर पड़ सकता है, तो बाकी प्रदेशों में उससे भी ज्यादा असर की संभावना बनती है, जो विपक्ष के लिए बहुत ही घातक साबित होगी।

25 जनवरी को है पौष पूर्णिमा

इन सरल उपायों से प्रसन्न होंगी मां लक्ष्मी

पौष माह में आने वाली पूर्णिमा का पौष पूर्णिमा कहा जाता है। सनातन धर्म में पौष पूर्णिमा के दिन स्नान-दान के कार्य बेहद शुभ माने जाते हैं। इस साल पौष पूर्णिमा 25 जनवरी को पड़ रही है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पौष पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की पूजा करने से धन से जुड़ी दिक्कतों से छुटकारा मिलता है और घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। आइए जानते हैं पौष पूर्णिमा का शुभ मुहूर्त और मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के सरल उपाय...

पौष पूर्णिमा का शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, 24 जनवरी 2024 को रात 9 बजकर 24 मिनट से पौष माह की पूर्णिमा तिथि शुरू होगी और अगले दिन यानी 25 जनवरी 2024 को रात 11 बजकर 23 मिनट पर समाप्त होगी। इसलिए उदयातिथि के अनुसार, 25 जनवरी 2024 को पौष पूर्णिमा मनाई जाएगी। इस बार पौष पूर्णिमा के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग और गुरु पुष्य योग समेत कई दुर्लभ संयोग बन रहे हैं। जिससे इस दौरान किए गए उपायों से मां लक्ष्मी को प्रसन्न होंगी।

मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के उपाय

पौष पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करें और उन्हें कमल का फूल अर्पित करें। मान्यता है कि कमल का फूल चढ़ाने से मां लक्ष्मी शीघ्र प्रसन्न होती हैं।

सुख-समृद्धि के उपाय

पूजा के दौरान मां लक्ष्मी को श्रृंगार सामग्री जरूर चढ़ाएं। मान्यता है कि ऐसा करने से धन की तंगी से छुटकारा मिलता है और माता लक्ष्मी धन, सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं।

धन लाभ के उपाय

पौष पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए उन्हें 11 पीली कौड़ियां अर्पित करें। इसके बाद इन्हें लाल या पीले कपड़े में बांधकर तिजोरी में रख लें। मान्यता है कि ऐसा करने से धन की तंगी से छुटकारा मिलता है।

हर मनोकामना होगी पूरी

पौष पूर्णिमा की रात विधि-विधान से मां लक्ष्मी की पूजा करें। इसके बाद उन्हें चावल की खीर चढ़ाएं। इसके बाद कनकधार स्तोत्र, श्री सूक्त और विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें। मान्यता है कि इस उपाय से धन से जुड़ी समस्याओं से मुक्ति मिलती है।

2500 सालों तक राम मंदिर पर नहीं होगा भूकंप का असर, जानें रामलला के मंदिर से जुड़ी बातें

देशभर में राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर लोगों के बीच में काफी उत्साह है। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या राम मंदिर का बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ उद्घाटन होने जा रहा है। चीफ आर्किटेक्ट चन्द्रकांत सोमपुरा ने राम मंदिर का डिजाइन तैयार किया है। राम मंदिर का निर्माण इस तरह से किया गया है कि 2500 सालों तक भूकंप के झटके भी राम मंदिर को न हिला सकें। एक इंटरव्यू के दौरान वास्तुकार चन्द्रकांत सोमपुरा ने बताया कि राम मंदिर नागर शैली का मंदिर है। मंदिर का गर्भ गृह अष्टकोणीय है,जो भगवान विष्णु के 8 रूपों का प्रतीक है। आइए विस्तार से जानते हैं राम मंदिर से जुड़ी खास बातें...

- अयोध्या के राम मंदिर के निर्माण में उत्तर और मध्य भारत की नागर शैली वास्तुकला का उपयोग किया गया है।राम मंदिर का निर्माण मकराना के मार्बल से किया गया है। इस मार्बल से मंदिर के गर्भगृह में सिंहासन तैयार किया गया है, जिस पर भगवान श्रीराम विराजेंगे।
- मंदिर का गर्भ गृह 20-20 फीट अष्टकोणीय आकार में है, जो भगवान विष्णु के 8 रूपों का प्रतीक है। मंदिर में 5 मंडप है।
- मंदिर की ऊंचाई कॉरिडोर के साथ लंबाई और चौड़ाई लगभग 600 मीटर है। मंदिर 320 फुट लंबा है और 250 फुट चौड़ा है और 161 फुट ऊंचा है। राम मंदिर में 1 शिखर है।
- मंदिर में शिवजी, माता पार्वती, गणेशजी, विष्णुजी और हनुमानजी की प्रतिमा है।
- नागर शैली एक प्रचलित शैली है। इसलिए राम मंदिर का निर्माण नागरशैली में किया गया है।
- वास्तुकार चन्द्रकांत के अनुसार, राम मंदिर हिन्दुस्तान का सबसे बड़ा मंदिर है।
- मंदिर में भगवान राम जी का जहां जन्म हुआ था, वहीं रामलला की मूर्ति स्थापित की जाएगी।
- आईआईटी रुड़की की तरफ से 2500 सालों तक मंदिर पर भूंकप का असर ना पड़ने के लिए डिजाइन में थोड़े बदलाव लाने का सुझाव दिया गया था। मंदिर का निर्माण ऐसे किया गया है कि 2500 सालों तक इस पर भूकंप का असर न हो।

मूलांक 8 वाले धारण करें ये रत्न, शनिदेव की बरसेगी कृपा, मिलेगी मनचाही सफलता

अंकज्योतिष के अनुसार,हर मूलांक का संबंध किसी न किसी ग्रह से होता है। मान्यता है कि कुछ मूलांक वालों पर शनिदेव की विशेष कृपा पाने के लिए कुछ खास रत्नों का धारण करना चाहिए।

अंकज्योतिष के अनुसार, किसी व्यक्ति के बर्थ डेट की मदद से उसके गुण और व्यवहार के बारे में कई बातों का अनुमान लगाया जा सकता है।

जिस तरह हर नाम के अनुसार राशि होती है उसी तरह हर नंबर के अनुसार अंक ज्योतिष में मूलांक होते हैं और राशियों की तरह ही हर मूलांक का संबंध भी किसी न किसी ग्रह से होता है। किसी व्यक्ति के जन्म की तारीख को इकाई अंक तक जोड़ें और तब जो संख्या आएगी, उसे ही आपका मूंलाक कहा जाएगा। वहीं, जब आप अपनी जन्म तिथि, महीने और वर्ष को इकाई अंक तक जोड़ें और तब जो संख्या आएगी, उसे भाग्यांक कहा जाएगा। उदाहरण के लिए 8, 17 और 26 को जन्में लोगों का मूलांक 8(8+0=1+7=2+6=8) होता है।

अंकज्योतिष में मूलांक 8 को शनि का अंक माना गया है। शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए मूलांक 8 वालों को कुछ विशेष रत्नों को धारण करना चाहिए। मान्यता है कि

इस रत्न को पहनने से मूलांक 8 वालों पर शनिदेव की विशेष कृपा होगी और जीवन के हर क्षेत्र में अपार सफलता मिलती है।

मूलांक 8 वालों का स्वभाव

अंक शास्त्र के अनुसार, मूलांक 8 के अक्सर जीवन में अपनी प्राथमिकताओं को लेकर कनफ्यूज रहते हैं, लेकिन कड़ी मेहनत से घबराते नहीं हैं। मूलांक 8 वालों को व्यापार में बहुत लाभ होता है। कई बार सफलता नहीं मिलने पर यह निराश हो जाते हैं, लेकिन कार्यों की चुनौतियों को स्वीकार करने में घबराते नहीं हैं।

प्रोफेशनल लाइफ

मूलांक 8 के जातक स्वभाव से बहुत महत्वकांक्षी होते हैं। इन्हें अनुशासन में रहना बहुत पंसद होता है। इसलिए जीवन के हर क्षेत्र में इन्हें अपार सफलता हासिल होती हैं। कार्यों की जिम्मेदारियों से कभी परेशान नहीं होते हैं। इनकी लीडरशिप स्किल भी बहुत अच्छी होती है। व्यापार से जुड़े फैसले बड़ी होशियारी से लेते हैं और आर्थिक मामलों में भी बहुत समझदार होते हैं।

पर्सनल लाइफ

मूलांक 8 वालों को कई बार अपनों के सपोर्ट की कमी महसूस होती है। भाई-बहनों के अनबन होते रहते हैं। परिजनों के साथ अक्सर वाद-विवाद की स्थिति बनी रहती है।

अंकज्योतिष के अनुसार, लव लाइफ में भी इन्हें कई बार दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए आपको रिश्तों में धैर्य बनाए रखना बहुत जरूरी है।

मूलांक 8 वालों को कभी-कभी विवाह में देरी का सामना करना पड़ सकता है। हैप्पी मैरिड लाइफ के लिए जीवनसाथी बहुत सोच-समझकर चुनें।

मूलांक 8 वालों का लकी जेमस्टोन :

अंकज्योतिष के अनुसार, मूलांक 8 वालों के लिए ब्लू सैफायर यानी नीलम रत्न धारण करना बेहद शुभ रहेगा।

सूर्यदेव की कृपा पाने के लिए रविवार को धारण करें सनस्टोन

16 दिसंबर को ग्रहों के राजा सूर्य वृश्चिक राशि से निकलर धनु राशि में प्रवेश कर चुके हैं। जिसका शुभ-अशुभ प्रभाव 12 राशियों पर भी होगा। कुंडली में सूर्य की उच्च स्थिति होने से व्यक्ति को जीवन के हर क्षेत्र में सफलता मिलती है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ग्रहों के अशुभ प्रभावों से बचने के लिए कुछ रत्नों को धारण करना बेहद लाभकारी माना गया है। 16 दिसंबर को ग्रहों के राजा सूर्य वृश्चिक राशि से निकलर धनु राशि में प्रवेश कर चुके हैं। जिसका शुभ-अशुभ प्रभाव 12 राशियों पर भी होगा। कुंडली में सूर्य की उच्च स्थिति होने से व्यक्ति को जीवन के हर क्षेत्र में सफलता मिलती है।

किसी भी काम में बाधाओं का सामना नहीं करना पड़ सकता है और जीवन सुख-सुविधाओं में व्यतीत होता है। वहीं, कुंडली में सूर्य ग्रह कमजोर होने पर व्यक्ति चारों ओर से परेशानियों से घिरा रहता है। करियर में हर बार असफलता हाथ लगती है और सभी कार्य बनते-बनते बिगड़ने लगते हैं। ऐसे स्थिति में लोगों को सूर्य का एक विशेष चमत्कारी रत्न पहनने की सलाह दी जाती है। आइए जानते हैं इस खास रत्न के बारे में...

सनस्टोन

रत्न शास्त्र के अनुसार, कुंडली में सूर्य ग्रह कमजोर होने पर ज्योतिषीय सलाह लेकर सनस्टोन धारण किया जा सकता है। यह रत्न हल्के पीले रंग का होता है। सनस्टोन माणिक का उपरत्न है। मान्यता है कि इस रत्न को पहनने से जातक पर सूर्यदेव की कृपा बनी रहती है और बिना किसी विघ्न-बाधा के सभी कार्य सफल होते हैं और समाज में खूब मान-सम्मान मिलता है।

सूर्य का धनु राशि में गोचर, इन 5 राशियों का बढ़ेगा बैंक-बैलेंस, जानें 12 राशियों पर प्रभाव

सनस्टोन धारण करने के नियम

- सनस्टोन को सोने, चांदी या प्लेटिनम की अंगूठी में पहना जा सकता है।
- इस रत्न को रविवार, सोमवार और गुरुवार को धारण करना लाभकारी माना गया है।
- सनस्टोन को अनामिका उंगली में पहनना बहुत शुभ होता है।
- सनस्टोन को धारण करने से पहले इसे कच्चे दूध और गंगाजल से शुद्ध जरूर करें।

सनस्टोन पहनने के फायदे

- मान्यता है कि सनस्टोन धारण करने से व्यक्तित्व में निखार आता है।
- मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है।
- व्यक्ति की लीडरशिप स्किल अच्छी होती है।
- मन प्रसन्न रहता है और नेगेटिविटी दूर रहती है।
- प्रेम-संबंधों में सुधार आता है।
- जातक की क्रिएटिविटी बढ़ती है।

5 फरवरी 2024 को आदित्य मंगल योग से ये 3 राशियां होंगी धनवान, खूब होगी कमाई

फरवरी महीने में सूर्य, बुध,शुक्र और मंगल समेत 4 बड़े ग्रह अपनी चाल बदलने जा रहे हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, 1 फरवरी 2024 को ग्रहों के राजकुमार बुध मकर राशि में जाएंगे। 5 फरवरी 2024 मंगल मकर राशि में गोचर करेंगे, जहां पहले से ही सूर्यदेव विराजमान हैं। मकर राशि में सूर्य और मंगल की युति से आदित्य मंगल राजयोग का निर्माण होगा। जिसका शुभ-अशुभ प्रभाव मेष से लेकर मीन राशि तक 12 राशियों पर भी होगा, लेकिन कन्या समेत 2 राशियों को सूर्य-मंगल की युति से जबरदस्त लाभ होने वाला है। आइए जानते हैं इन लकी राशियों के बारे में...

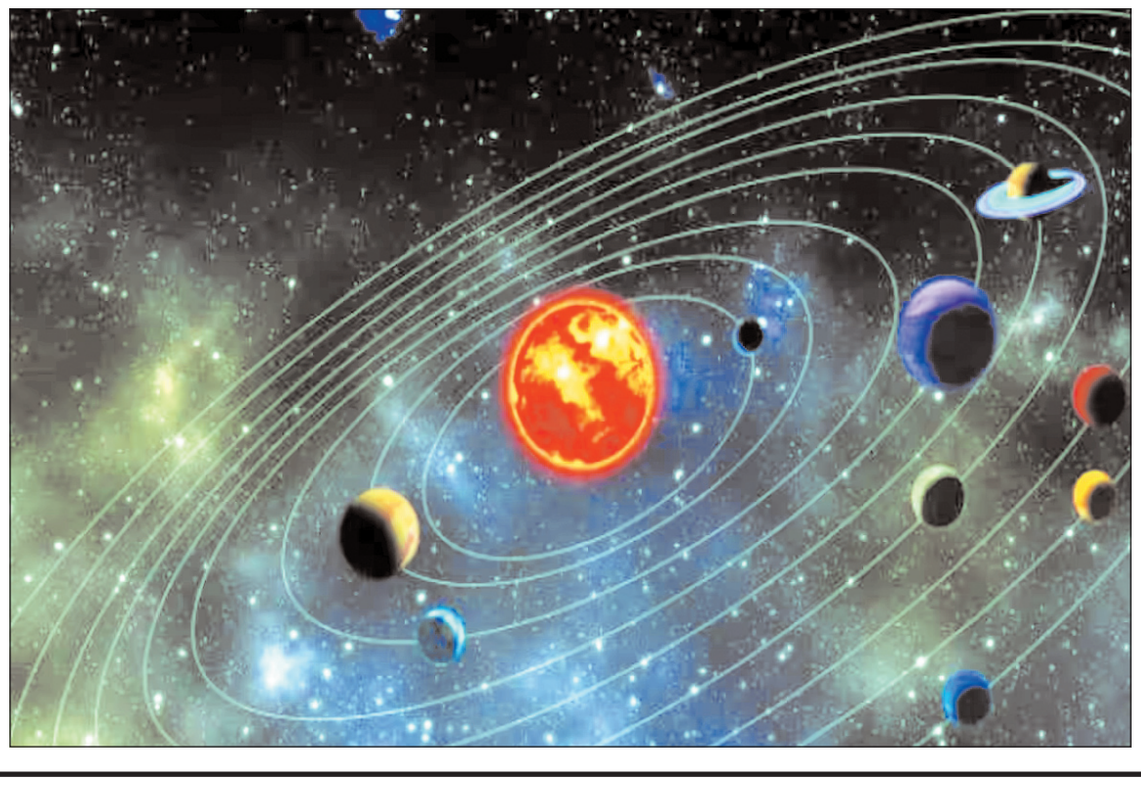

सिंह राशि : जीवन में नए परिवर्तनों के लिए तैयार रहें। जीवन में कई सकारात्मक बदलाव आएंगे। धन, सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलेगा। लव लाइफ में नए सरप्राइज मिलेंगे। जीवनसाथी का सपोर्ट मिलेगा। लव लाइफ रोमांटिक रहेगी। उन्नति के भरपूर अवसर मिलेंगे। इनका लाभ उठाएं और कड़ी मेहनत करते रहें। इससे आपको सफलता जरूर मिलेगी।

कन्या राशि: प्रोफेशनल लाइफ में नई उपलब्धियां हासिल करेंगे। कार्यों में आ रही अड़चनें जल्द दूर होंगी। करियर ग्रोथ के कई मौके मिलेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। मन की निराशा दूर होगी। ऊर्जा और आत्मविश्वास से लबरेज होंगे। कार्यक्षेत्र में कार्यों की प्रशंसा होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

तुला राशि: जीवन के रोमांचक पलों का आनंद लेंगे।। दोस्तों की मदद से कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होंगी। वैवाहिक जीवन में मधुरता आएगी। रिश्तों में प्यार और रोमांस जगेगा। अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रेरित नजर आएंगे। वाणी में मधुरता आएगी। रिश्तों में कड़वाहट ज्यादा बढ़ने न दें और साथ मिलकर रिश्ते को मजबूत बनाने की कोशिश करें।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

लालू-नीतीश का अखिलेश-मायावती जैसा हाल होगा

पटना। कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की घोषणा का स्वागत करते हुए बिहार भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार के इस फैसले से नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव की खोखली राजनीति की नींव हिल जाएगी। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार ने ठीक वही काम किया है, जो यूपी में अखिलेश यादव और मायावती ने किया था। वे पिछड़ी-दलित जातियों से जाति का नाम लेकर प्रदेश को लूटते रहे और अपना घर भरते रहे। उत्तर प्रदेश की जनता ने यह सच पहचाना और उनका साथ छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि अब बिहार की बारी है। अब बिहार से लालू-नीतीश कुमार की राजनीति खत्म होने का समय आ गया है। जनता जान गई है कि किस तरह उन्होंने प्रदेश को लूटा और अपना घर भरते रहे। चूंकि, कर्पूरी ठाकुर अति पिछड़ी जाति से आने वाले सबसे बड़े नेता थे। उन्होंने सबसे पहले पिछड़ों, अति पिछड़ों को आरक्षण देने का काम किया था।

अमित शाह की कठपुतली हैं हिमंत बिस्वा सरमा : राहुल

गुवाहाटी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर बड़ा आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने सरमा को गृह मंत्री अमित शाह के हाथों की कठपुतली कहा है। राहुल ने असम के बारापेटा में कहा कि सीएम हिमंता देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कंट्रोल करते हैं। अगर असम के सीएम गृह मंत्री के खिलाफ कुछ भी बोलेंगे तो उन्हें पार्टी से निकाल दिया जाएगा। बता दें, राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज 11वां दिन है। आज वे असम के बरपेटा में हैं। वहां उन्होंने समर्थकों को संबोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर हमला बोला है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर असम में बीते दिन यानी मंगलवार को जमकर बवाल हुआ था। दरअसल, असम सरकार ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा को मंगलवार को गुवाहाटी में प्रवेश करने से रोक दिया था।

हिमंत की लोकप्रियता देख अपना धैर्य खो चुके हैं राहुल

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को राज्य में चल रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान हुए हंगामे के बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष किया। सिंह ने कहा कि राहुल गांधी असम के सीएम की लोकप्रियता के कारण अपना धैर्य खो चुके हैं। उन्होंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की लोकप्रियता के कारण राहुल गांधी ने अपना धैर्य खो दिया है...उन्हें (राहुल गांधी) अदालत में माफी मांगनी पड़ेगी। इससे पहले दिन में, कांग्रेस सांसद ने मंगलवार को सड़क अवरोध का सामना करने के बाद असम में अपना अभियान आगे बढ़ाने के लिए प्रमुख यात्रा फिर से शुरू की। गुवाहाटी में निर्धारित प्रवेश से पहले, राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक दिया, जिससे झड़प हुई।

शरद पवार के पोते रोहित से ईडी की पूछताछ

मुंबई। राकांपा सुप्रीमो शरद पवार के पोते और कर्जत-जामखेड से विधायक रोहित पवार (38) बुधवार को कथित महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (एमएससीबी) घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश हुए। महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक मनी लॉन्ड्रिंग मामला मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा की अगस्त 2019 की एफआईआर से उपजा है। ईडी ने 5 जनवरी को बारामती, पुणे, औरंगाबाद और कुछ अन्य स्थानों पर रोहित पवार के स्वामित्व वाली कंपनी बारामती एग्रो और कुछ संबंधित संस्थाओं के परिसरों पर छापेमारी की थी। एनसीपी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने कहा कि जांच पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए। मुझे ईडी पर पूरा भरोसा है और मुझे यकीन है कि वे रोहित का पक्ष सुनेंगे। हम सभी एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करने जा रहे हैं क्योंकि हमारे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है।

टीएमसी नेता शेख शाहजहां के आवास पर ईडी की छापेमारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में ईडी एक बार फिर एक्शन मोड में आ गई है। बुधवार, 24 जनवरी की सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केंद्रीय बल के साथ उत्तर 24 परगना के संदेशखाली में टीएमसी नेता शेख शाहजहां के घर पर छापा मारा है। आज से ठीक 19 दिन पहल यानी 5 जनवरी को भी ईडी के अधिकारियों ने शेख शाहजहां के घर पर छापेमारी की थी। उसी समय ईडी पर हमला किया गया था। मामला पीडीएस घोटाला से जुड़ा है। इस घोटाले में टीएमसी नेता शेख शाहजहां की भूमिका की जांच के लिए ईडी कार्रवाई कर रही है। आज सुबह ईडी की टीम संदेशखाली में शेख शाहजहां के घर पर छापेमारी करने पहुंची, तो घर बंद मिला, जिसके बाद चाबी वाले की मदद से 2 ताले तोड़कर ईडी के अधिकारी घर में दाखिल हुए। घर में घुसने के बाद से टीम शाहजहां के घर के अंदर चारपाई, अलमारी सब कुछ देख रही है। बता दें कि शाहजहां के घर के अंदर कुल 13 लोग दाखिल हुए हैं।

कांग्रेस पर फिर भड़कीं टीएमसी प्रमुख, टूटा इंडिया गठबंधन !

ममता ने बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने का किया ऐलान

कोलकाता। विपक्ष के इंडिया गठबंधन के लिए एक बड़ा झटका देते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) राज्य में आगामी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने महत्वपूर्ण चुनावों में अकेले लड़ने के अपने फैसले के लिए ब्लॉक के एक प्रमुख सदस्य, कांग्रेस के साथ सीट-साझाकरण वार्ता विफल होने का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि मैंने उन्हें जो भी प्रस्ताव दिया, उन्होंने सभी को अस्वीकार कर दिया। बनर्जी ने कहा कि तब से, हमने बंगाल में अकेले जाने का फैसला किया है। टीएमसी और कांग्रेस में सीट शेयरिंग को लेकर काफी दिनों से जद्दोजहद चल रही थी। जब दोनों पार्टियों में बात नहीं बनी तो टीएमसी ने अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया। मैं अकेले चलने और अकेले की लड़ने में विश्वास रखती हूं। बंगाल में भाजपा की हार निश्चित है।

मुख्यमंत्री ने तृणमूल का गढ़ माने जाने वाले जिले बीरभूम की पार्टी इकाई की बंद कमरे में संगठनात्मक बैठक के दौरान यह बात कही। आंतरिक बैठक के दौरान, उन्होंने जिले की दोनों लोकसभा सीट पर तृणमूल की जीत की आवश्यकता पर जोर देते हुए पार्टी नेताओं से चुनावी लड़ाई के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बैठक की जानकारी साझा की और कहा, हमारी पार्टी प्रमुख ने स्पष्ट रूप से कहा कि हमें कांग्रेस के साथ सीट-बंटवारे की बातचीत के बारे में सोचने की ज़रूरत नहीं है। टीएमसी सुप्रीमो ने कांग्रेस पर निराशा व्यक्त करते हुए दावा किया कि उन्होंने उन्हें पश्चिम बंगाल में अपनी नियोजित भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बारे में भी सूचित नहीं किया। उन्होंने कहा, शिष्टाचार के नाते, उन्होंने मुझे यह भी सूचित नहीं किया कि वे बंगाल में यात्रा आयोजित करने जा रहे हैं। बनर्जी के फैसले से लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ एकजुट मोर्चा पेश करने के विपक्ष के प्रयासों में बाधा उत्पन्न हुई है। ममता बनर्जी की यह टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भाषण के बाद आई है। राहुल ने मंगलवार को गुवाहाटी में कहा, हमारी (कांग्रेस-तृणमूल) सीटों को लेकर जो समस्या चल रही है, वह चल रही है। उसके नतीजे आएंगे। मैं यहां उस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। हां, कुछ मामलों में विवाद होता है। कोई कुछ कहता है कोई कुछ। यह असामान्य नहीं है। उससे एक दिन पहले ममता की बातों से साफ है कि तृणमूल उस यात्रा में इंडिया गठबंधन के साथी के तौर पर हिस्सा नहीं लेगी। अब देखते हैं कि इसके बाद सीपीएम उस यात्रा में भागीदार बनती है या नहीं।

कांग्रेस 300 सीटों पर लड़े हमें कोई दिक्कत नहीं : ममता बनर्जी

ममता बनर्जी ने कहा चुनाव के बाद क्षेत्रीय दल क्या फैसला करेंगे, हम तय करेंगे। मैंने कांग्रेस को 300 सीटों पर लड़ने के लिए कहा है। ममता बनर्जी के भाषण के बाद यह साफ हो गया है कि पश्चिम बंगाल में कोई गठबंधन या सीट समझौता नहीं होने जा रहा है। तृणमूल राज्य के सभी 42 लोकसभा क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारने जा रही है। ममता बनर्जी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर चौधरी के बारे में भी जिले के नेताओं से कहा कि वह कोई फैक्टर नहीं हैं। हम बंगाल में अकेले लड़ेंगे और जीत हासिल करेंगे।

ममता के बिना इंडिया गठबंधन की कल्पना नहीं कर सकते : जयराम

ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा करके इंडिया ब्लॉक को चौंका दिया। हालांकि, डैमेज कांट्रोल करते हुए कांग्रेस ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के बिना विपक्षी गठबंधन की कल्पना नहीं की जा सकती। पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को इंडिया ब्लॉक का एक मजबूत स्तंभ भी बताया। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि इंडिया ब्लॉक पश्चिम बंगाल में गठबंधन की तरह लड़ेगा और उम्मीद है कि भविष्य में टीएमसी के साथ सीट-बंटवारे की बातचीत सफल होगी। जयराम रमेश ने कहा कि ममता बनर्जी ने कहा कि हम बीजेपी को हराना चाहते हैं और बीजेपी को हराने के लिए हम कुछ भी करेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने साफ कहा कि ममता और टीएमसी भारत गठबंधन के बहुत मजबूत स्तंभ हैं। हम ममता जी के बिना इंडिया गठबंधन की कल्पना नहीं कर सकते। इंडिया गठबंधन पश्चिम बंगाल में गठबंधन की तरह लड़ेगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने कई बार घोषणा की है कि सभी इंडिया गठबंधन दलों को भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। एनसीपी (शरद पवार गुट) के राष्ट्रीय प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने कहा कि ममता बनर्जी और उनकी पार्टी इंडिया गठबंधन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। वे हमारे साथ हैं और हम इसे मजबूती से लड़ेंगे। अगर उन्होंने कोई बयान दिया है, तो यह एक रणनीति का हिस्सा हो सकता है...भारत गठबंधन में कोई मुद्दा नहीं है। हम बीजेपी के खिलाफ मजबूती से लड़ रहे हैं। आदित्य ठाकरे ने कहा कि मुझे मीडिया से पता चला है, लेकिन मैं देखूं कि ममता जी ने क्या कहा है, ममता जी बंगाल में शेरनी की तरह लड़ रही हैं, पश्चिम बंगाल में उनकी लड़ाई बेहद महत्वपूर्ण है। राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि कृपया कुछ समय इंतजार करें...हो सकता है कि बयान किसी विशेष स्थिति में दिया गया हो...अगर कोई टकराव है तो गठबंधन (इंडिया) इसे सुलझा लेगा। आप के सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी एक बड़ी पार्टी है, कांग्रेस और लेफ्ट हमेशा उनके खिलाफ लड़ते रहे हैं।

टीएमसी के अकेले चुनाव लड़ने के ऐलान को भाजपा ने बताया हताशा

ममता का फैसला इंडिया गठबंधन के लिए मौत की घंटी : भाजपा

नईदिल्ली। विपक्षी गुट को एक बड़ा झटका देते हुए, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि टीएमसी राज्य में किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होगी। यह भाजपा के खिलाफ बने इंडिया गठबंधन को तगड़ा झटका है। अब भाजपा ने भी इसको लेकर चुटकी ली है। भाजपा के अमित मालविया ने कहा कि पश्चिम बंगाल में अकेले लड़ने का ममता बनर्जी का फैसला हताशा का संकेत है। अपनी राजनीतिक जमीन बरकरार रखने में असमर्थ, वह सभी सीटों पर लड़ना चाहती है, इस उम्मीद में कि चुनाव के बाद भी वह प्रासंगिक बनी रह सकती है।

भाजपा नेता ने कहा कि विपक्षी गठबंधन के चेहरे के रूप में उभरने की उनकी इच्छा के विपरीत, किसी ने भी उनके नाम का प्रस्ताव नहीं रखा। राष्ट्रीय प्रोफ़ाइल बनाने के लिए उनकी दिल्ली की कई यात्राएँ काम नहीं आईं। वह चुनाव के बाद की हिंसा के खून को छिपा नहीं सकीं और तुष्टीकरण की राजनीति की दुर्गंध से खुद को मुक्त नहीं कर सकीं। उन्होंने दावा किया कि शर्मिंदा ममता ने अपना चेहरा बचाने के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे की वकालत की और खुद को इस प्रक्रिया से बाहर कर दिया। वह लंबे समय से बाहर निकलने के लिए जमीन तैयार कर रही थीं। लेकिन तथ्य यह है कि राहुल गांधी के बंगाल में सर्कस आने से ठीक पहले उनकी अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा आई.एन.डी.आई. गठबंधन के लिए एक मौत की घंटी है।

भाजपा के शहजाद पूनावाला ने कहा कि इंडिया के सहयोगी दल ही हर दिन अपने गठबंधन के महल को ध्वस्त कर रहे हैं. दिल्ली आकर दोस्ती तो कर लेते हैं लेकिन पश्चिम बंगाल में कुश्ती लड़ लेते हैं... हर जगह एक नया टकराव देखने को मिलता है। 5 बैठकों के बाद भी उनके पास न कोई झंडा है, न एजेंडा, न नेता, न नीति और न ही नियत। उन्होंने कहा कि वे सिर्फ भ्रम, भ्रष्टाचार और पारिवारिक पेशे को आगे बढ़ाने वाले लोगों से भरे हुए हैं। लोगों ने उन लोगों का समर्थन करने का फैसला किया है जिनके पास एक मिशन है, न कि उनका जो हर दिन भ्रम में रहते हैं।

पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि यह गठबंधन अप्राकृतिक है, क्योंकि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और सीपीएम ममता बनर्जी के खिलाफ लड़ रही हैं। कुछ समय पहले पंचायत चुनाव में कांग्रेस और सीपीएम को टीएमसी कार्यकर्ताओं ने बुरी तरह पीटा था। ममता बनर्जी को ग्राउंड रिपोर्ट पता है। कर्नाटक बीजेपी नेता बसवराज बोम्मई ने कहा कि इंडिया गठबंधन टूट गया है। ममता बनर्जी, नीतीश कुमार और अखिलेश कुमार जैसे नेताओं के बिना, इंडिया गठबंधन क्या है? ये कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच आज से

हैदराबाद। भारत और इंग्लैंड के बीच 25 जनवरी गुरुवार से टेस्ट मैच खेले जाने हैं। टेस्ट मुकाबले के लिए इंग्लैंड की टीम भारत पहुंच चुकी है। टेस्ट मैच से पहले एक बड़ी निकाल के सामने आ रही है कि इंग्लैंड टीम के स्टार स्पिन गेंदबाज शोएब बशीर वीजा कारणों की वजह से टीम से नहीं जुड़ सके हैं। वीजा नहीं मिलने की वजह से बशीर पहले टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। इस बात पर इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने भी नाराजगी व्यक्त की है। शोएब बशीर ने पिछले कुछ मैचों में अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है और इसी वजह से उन्हें भारत दौरे के लिए चुना गया था। मगर वह अब इंग्लैंड टीम के तरफ से पहले टेस्ट मुकाबले में खेलते नजर नहीं आएंगे।

इंग्लैंड टीम रविवार को भारत के हैदराबाद आकर टेस्ट सीरीज के लिए तैयारी भी शुरू कर दी है। इंग्लैंड अबू धाबी में अभ्यास शिविर लगाने के बाद गुरुवार से शुरू हो रही टेस्ट श्रृंखला के लिए रविवार को भारत पहुंची, जहां कागजी काम में देरी होने की वजह से बशीर टीम के साथ नहीं आ सके।

इंग्लैंड टीम के तरफ से खेल रहे शोएब बशीर मूल रूप से पाकिस्तानी है। उनके साथ स्टुअर्ट हूपर भी हैं, जो हाल ही में ईसीबी में क्रिकेट संचालन के नए प्रबंध निदेशक के रूप में शामिल हुए हैं। बता दें, पेपर वर्क में देरी के कारण बशीर पहले टेस्ट मैच से पहले अपनी टीम के साथ शामिल नहीं हो सकेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बशीर यूके वापस लौट रहे हैं। इंग्लैंड टीम के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा, ईसीबी ने मामले के बारे में भारत सरकार और बीसीसीआई को बता दिया है। उम्मीद है कि 24 घंटे के अंदर प्रॉब्लम सॉल्व हो जाएगी। मैनेजमेंट को उम्मीद है कि बशीर के साथ डैन लॉरेंस भी मंगलवार तक भारत आ जाएंगे। लॉरेंस को स्क्वॉड में हैरी ब्रूक की जगह चुना गया है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

शेयर बाजार में तेजी लौटी सेंसेक्स 690 अंक चढ़ा

नईदिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले दो कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर बुधवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स में 690 अंक का उछाल आया। मुख्य रूप से मेटल, जिंस और टेलीकॉम शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में गिरावट के साथ खुला लेकिन बाद में इसमें तेजी आई। अंत में यह 689.76 यानी 0.98 प्रतिशत उछलकर 71,060.31 अंक पर बंद हुआ। मानक सूचकांक कारोबार के दौरान ऊंचे में 71,149.61 अंक तक गया और नीचे में 70,001.60 अंक तक आया। पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 215.15 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 21,453.95 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा स्टील सर्वाधिक 3.77 प्रतिशत मजबूत हुआ।

चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था 6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी

नईदिल्ली। भारत इस साल और अगले साल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा और लगातार मजबूत सरकारी खर्च से इकॉनमी को बढ़ावा मिलेगा। रॉयटर्स के सर्वे में शामिल अर्थशास्त्रियों ने यह बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि मुद्रास्फीति फिर से बढ़ने की संभावना नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने मार्च के अंत तक इस वित्त वर्ष की पहली दो तिमाहियों में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया। 10 से 23 जनवरी के बीच 54 अर्थशास्त्रियों के सर्वे में अनुमान जताया गया है कि चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था 6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जो दिसंबर के सर्वेक्षण में 6.7 फीसदी के पुराने अनुमान से ज्यादा है। इसके बाद अगले वित्त वर्ष 2024-25 में अर्थव्यवस्था के 6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया गया है, जो पिछले सर्वेक्षण के समान ही है।

सीसीआई की जेएसडब्ल्यू ग्रुप की 38% हिस्सेदारी खरीद को मंजूरी

नईदिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने एमडी मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में 38 प्रतिशत हिस्सेदारी के जेएसडब्ल्यू समूह के प्रस्तावित अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। एमडी मोटर इंडिया चीन के शंघाई की एसएआईसी मोटर की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। सीसीआई ने मंगलवार को बयान में कहा, आयोग ने एमजी मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की लगभग 38 प्रतिशत शेयर पूंजी के लिए जेएसडब्ल्यू वेंचर्स सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी। जेएसडब्ल्यू वेंचर्स सिंगापुर प्राइवेट एक नव निगमित इकाई जेएसडब्ल्यू इंटरनेशनल ट्रेडकॉर्प पीटीई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और सज्जन जिंदल के नेतृत्व वाले जेएसडब्ल्यू समूह से जुड़ी हुई है। एमजी मोटर इंडिया कंपनी के ब्रांड 'एमजी' के तहत यात्री कारों (ईवी सहित) के निर्माण और बिक्री में लगी हुई है।

कर्नाटक बैंक का चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीने का नेट प्रॉफिट 1,032 करोड़ रुपये

नईदिल्ली। कर्नाटक बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह (अप्रैल-दिसंबर, 2023) में 1,032.04 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया है। मेंगलुरु मुख्यालय वाले बैंक ने इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 826.49 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। बैंक ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि इस अवधि में सालाना आधार पर उसकी वृद्धि 25 प्रतिशत रही है। चालू वित्त वर्ष (2023-24) की तीसरी तिमाही के लिए बैंक का शुद्ध लाभ 10.11 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ 331.08 करोड़ रुपये रहा। बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 300.68 करोड़ रुपये था। निदेशक मंडल की बैठक में 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही और नौ महीने की अवधि के वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी गई।

अमृत काल में भारत लिखेगा ग्रोथ की नई कहानी

किरण कार्णिक

देश की आजादी को 2047 में 100 वर्ष पूरे हो जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगले 25 वर्षों को भारत के लिए अमृत काल घोषित किया है। साथ ही, उन्होंने 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य भी रखा है। ज्यादातर लोग विकास को आर्थिक नजरिये से देखते हैं। वे प्रति व्यक्ति आय या जीडीपी के पैमानों पर इसे परखते हैं। शायद इसी वजह से बीजेपी सरकार पहले 5 लाख करोड़ डॉलर (5 ट्रिलियन डॉलर) के जीडीपी की बात करती थी, लेकिन अब वह 2047 तक 30 लाख करोड़ डॉलर (30 ट्रिलियन डॉलर) के जीडीपी के लक्ष्य की चर्चा कर रही है। यह टारगेट मोदी ने तय किया है, जिसे उनकी सरकार के मंत्रियों ने दोहराया भी है।

अगर 2047 में भारत की आबादी 1.65 अरब मान लें तो 30 लाख करोड़ डॉलर जीडीपी के हिसाब से प्रति व्यक्ति आय 18,000 डॉलर होगी। इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए 2047 तक जीडीपी में 7.8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि ब्याज दर (सीएजीआर) से बढ़ोतरी होनी चाहिए।

30 लाख करोड़ डॉलर के आंकड़े और किस तरह से यह अनुमान लगाया गया है, इसे लेकर कुछ मतभेद हो सकते हैं, लेकिन अगर कोई बड़ी अनहोनी नहीं होती है तो 2047 तक देश इस लक्ष्य के करीब पहुंच सकता है। यह आजाद भारत के 100 वर्षों के इतिहास में बड़ी उपलब्धि होगी और इस पर हमें हर्ष भी होना चाहिए।

अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय 2023 में 83,000 डॉलर थी। दक्षिण कोरिया की 34,650 डॉलर और चीन की 2022 में 12,600 डॉलर। भारत की प्रति व्यक्ति आय 2,850 डॉलर है। 2047 में 18,000 डॉलर की प्रति व्यक्ति आय के साथ भारत हाई

इनकम वाला देश होगा। तब इकॉनमी के साइज के लिहाज से भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर रह सकता है, लेकिन प्रति व्यक्ति आय के मामले में शायद वह कुछेक देशों से पीछे हो। आर्थिक आंकड़ों की बात रहने दें तो बुनियादी सवाल यह है कि 'विकसित' देश का क्या मतलब है? भारत ने 2005 के बाद के 15 वर्षों में 41.5 करोड़ लोगों को गरीबी की दलदल से बाहर निकालने में कामयाबी हासिल की है, लेकिन यह अभी भी गरीबी के मर्ज से जूझ रहा है।

ऐसे में अर्थशास्त्रियों और नीति-निर्माताओं का ध्यान प्रति व्यक्ति आय पर होने की बात समझी जा सकती है। लेकिन प्रति व्यक्ति आय से आर्थिक असमानता का पता नहीं चलता। किसी देश में अधिक गरीबी के साथ उसकी प्रति व्यक्ति आय भी अधिक हो सकती है। इसलिए यह सही पैमाना नहीं है।

हमें यह सवाल करना होगा कि क्या विकसित देश के सिर्फ आर्थिक पहलू को ही देखा जाना चाहिए? यूं तो मोदी भी जीडीपी टारगेट का जिक्र करते रहते हैं, लेकिन दिल्ली में हुई जी20 सम्मेलन में उन्होंने जीडीपी केंद्रित ग्रोथ मॉडल की जगह मानव केंद्रित ग्रोथ मॉडल का जिक्र किया था।

जिस नीति आयोग को विकसित भारत का विजन तैयार करने का जिम्मा सौंपा गया है, उसने भी हाल में संकेत दिया कि आर्थिक ग्रोथ के साथ इसमें सामाजिक प्रगति, पर्यावरण संरक्षण और सुशासन जैसे पहलुओं को भी शामिल किया जाएगा। यह वाकई अच्छी खबर है। विकास के वैकल्पिक मॉडल के लिए 'क्वॉलिटी ऑफ लाइफ' जैसे पैमाने तय किए गए हैं। यूएनडीपी ने मल्टिडाइमेंशनल पुवर्टी इंडेक्स (एमपीआई) की परिभाषा तय की है, जिसमें आय के साथ सेहत और शिक्षा जैसे मानकों को भी शामिल किया गया है। दूसरे भी कई इंडेक्स हैं, जिनमें मानव विकास, शिक्षा और भूख जैसे पैमाने हैं।

ऐसे मानक शामिल करने के पीछे नेकनीयती थी और इसे लेकर प्रयास भी हो रहे हैं, फिर भी जीडीपी की तरह ये पैमाने लोकप्रिय नहीं हो पाए। मीडिया में इन मानकों की चर्चा तो होती है, लेकिन साल में एक बार। भारत भले ही सुपरपावर न बने, दुनिया का सबसे अमीर देश न बने, लेकिन इसे एक चीज की कोशिश करनी चाहिए। वह है, दुनिया का ऐसा देश बनना, जहां के लोग सबसे ज्यादा खुश हों।

छोटी-छोटी लापरवाही से बचा जाए तो, बच जाएंगे अनमोल जीवनः साय

'गलती मोर सजा तोर' और 'फाइनल्स' लघु फिल्म देख मुख्यमंत्री ने कहा - क्रिएटिव माध्यम से जागरूकता फैलाने का विभाग का प्रयास सराहनीय

रायपुर. मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा लघु फिल्म महोत्सव में शामिल हुए। दो दिवसीय राष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव का आयोजन रायपुर के मेडिकल कॉलेज स्थित अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम में किया गया है। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर सड़क सुरक्षा पर बनी लघु फिल्म 'फाइनल्स' तथा 'गलती मोर सजा तोर' भी देखी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा लघु फिल्म महोत्सव में लघु फिल्मों के माध्यम से बताया गया कि छोटी-छोटी लापरवाहियों से एक अनमोल जीवन चला जाता है। इसे बचाया जा सकता है, यदि ट्रैफिक के नियमों का पूरी तरह से पालन किया जाए। मैंने यह फिल्में देखी और यातायात विभाग ने क्रिएटिव माध्यम से इन लापरवाहियों को बताया है, जिसका बहुत अच्छा असर दर्शकों पर पड़ेगा और वे ट्रैफिक से संबंधित सावधानियां बरतेंगे। यातायात के नियमों का पालन नहीं करने के कारण लोग असमय ही काल के ग्रास में चले जाते है। यातायात विभाग और पुलिस विभाग यातायात नियमों के पालन सड़क सुरक्षा के उपायों के प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य तो लगातार करते ही रहते हैं, अभियान भी चलाते हैं। लेकिन हमें स्वयं भी सड़क सुरक्षा के उपाय का कड़ाई के साथ पालन करना चाहिए। सभी का जीवन बहुत कीमती हैं, छोटी-छोटी लापरवाही से सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और इसमें कई लोगों की मृत्यु हो जाती है। कई परिवार उजड़ जाते हैं। मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा जागरूकता के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में राष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव के आयोजन के लिए यातायात विभाग की सराहना की।

सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर आदर्श तथा देशभक्त नागरिक होने का उदाहरण प्रस्तुत करेंः उपमुख्यमंत्री साव

उन्होंने कहा कि यह फिल्म महोत्सव लोगों को यातायात के नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि जनजागरूकता के ऐसे ही कार्यक्रम होते रहने चाहिए।

आज कार्यक्रम के दौरान दिखाई गई लघु फिल्मों की क्लिपिंग में बड़े प्रभावित तरीकों से छोटी-छोटी लापरवाहियों के दर्दनाक परिणाम को दिखाया गया है। यह फिल्में लोगों को यातायात और सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करेंगी। मुख्यमंत्री ने ड्राइविंग के दौरान हेलमेट लगाने, मोबाइल का उपयोग न करने और नशा करके गाड़ी न चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कहा कि आज गाड़ियों की संख्या में वृद्धि हुई है। सड़क दुर्घटनाएं भी बढ़ी है। सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि आज दुनिया में चिंता का बड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी लापरवाही के परिणाम बहुत गंभीर होते हैं। कई बार दुर्घटना पीड़ित का जीवन बोझ बन जाता है। उन्होंने कहा कि देशभक्ति के लिए सीमा पर जाकर लड़ने की ही आवश्यकता नहीं है, यातायात नियमों का पालन करें और दूसरे लोगों को भी इसके लिए जागरूक करें। हम सब मिलकर सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और आदर्श तथा देशभक्त नागरिक होने का परिचय दें। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर यातायात संदर्शिका और पोस्टर का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव में छत्तीसगढ़ी और छत्तीसगढ़ की विभिन्न भाषाओं तथा भारतीय भाषाओं की लघु कैटेगरी की श्रेष्ठ फिल्मों, सर्वश्रेष्ठ कहानी और सर्वश्रेष्ठ कलाकार को पुरस्कार राशि का चेक और स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया। छत्तीसगढ़ी फिल्मों की श्रेणी में लघु फिल्म 'गलती मोर सजा तोर' को प्रथम, 'द टेल ऑफ नेगलिजेन्स' को द्वितीय और हेलमेट लघु फिल्म को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इस श्रेणी में बेस्ट स्टोरी के लिए 'गलती मोर सजा तोर' फिल्म के लिए लिमेश कुमार साहू, बेस्ट सिनेमेटोग्राफी का पुरस्कार द टेल ऑफ नेगलिजेन्स के रिशिल थवारे और सर्वश्रेष्ठ कलाकार का पुरस्कार हेलमेट के बिन्नी पाल को दिया गया।

इसी तरह भारतीय भाषाओं की लघु फिल्म की श्रेणी में फाइनल्स को प्रथम, रक्षासूत्र को द्वितीय और द ग्रेट गैम्बलर को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। बेस्ट स्टोरी के लिए फाइनल्स फिल्म के श्री विवेक विजेयन, बेस्ट सिनेमेटोग्राफी का पुरस्कार ट्रैफिक रूल्स के श्री शैलेष अनिखिंडी, सर्वश्रेष्ठ कलाकार का पुरस्कार हड़बड़ी में गड़बड़ी फिल्म के अभिनेता श्री तुलेन्द्र पटेल को प्रदान किया गया। बेस्ट मूवी इन एप्रिसिएशन का पुरस्कार गंगुआ फिल्म डायरेक्टर देवेन्द्र जांगड़े को प्रदान किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जुरी के सदस्यों सर्वश्री मनोज वर्मा, हीरा मानिकपुरी और योग मिश्रा को सम्मानित किया।

अयोध्या में भंडारे के लिए कार्यकर्ताओं की टीम को रवाना किया

अयोध्या में रामभक्तों के लिए 60 दिनों तक भंडारे का आयोजन

रायपुर. छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जबरदस्त एक्शन में हैं. उन्होंने एक तरफ राज्य में हो रहे धर्मांतरण की सच्चाई बताई, तो दूसरी तरफ अयोध्या में विशाल भंडारे का आयोजन कराया है. उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि राज्य में जबरदस्त धर्मांतरण होता है. खासकर जशपुर में लोग धर्म परिवर्तन कराते थे. लेकिन, बीजेपी के वरिष्ठ नेता दिलीप सिंह जूदेव के परिवार ने घर वापसी अभियान चलाया. उन्होंने लोगों के पैर धो-धोकर लोगों की घर वापसी कराई. दिलीप सिंह के जाने के बाद उनके बेटे इस उत्तरदायित्व को निभा रहे हैं. सीएम साय ने यह बात प्रसिद्ध बागेश्वर धाम के प्रमुख पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कार्यक्रम में कही. दूसरी ओर, उन्होंने अयोध्या में भंडारे के आयोजन के लिए दल को रवाना किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि हम छत्तीसगढ़ से भगवान राम के दर्शन के लिए अयोध्या जाने वालों की चिंता कर रहे हैं. 60 दिनों तक वहां भंडारा विशाल भंडारा किया जाएगा. सभी सदस्य इसके लिए बधाई के पात्र हैं.

मुख्यमंत्री के नाते मुझे बार-बार आयोजन में शामिल होने का अवसर मिल रहा है. यह राम की कृपा है. हमारे भगवान राम कई वर्षों तक टेंट में रहने के बाद भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं. राम भक्तों को भोजन कराने वालों को यहां से विदा करने का अवसर मिला, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है. भक्तों को ट्रेन से अयोध्या भेजा जा रहा है. पहली ट्रेन दुर्ग से चल रही है.

6 समितियां कराएंगी अयोध्या में भंडारा

इस मौके पर उन्होंने एक्स पर लिखा, 'रामकाज किन्हें बिनु मोहे कहां बिश्राम.' आज वीआईपी रोड स्थित प्रभु श्रीराम मंदिर से अयोध्या धाम प्रभु श्री रामलला मंदिर की सेवा के लिए 6 समितियों के स्वावलंबी कार्यकर्ताओं को रवाना किया. इन समितियों द्वारा अयोध्या में रामभक्तों के लिए 60 दिनों तक भंडारे का आयोजन किया जाएगा, ताकि राम भक्तों को भोजन से संबंधित किसी प्रकार की असुविधाओं का सामना न करना पड़े. प्रभु राम के ननिहाल की ओर से यह छोटी सी सेवा रामलला को समर्पित है.

उप मुख्यमंत्री ने रायपुर और दुर्ग संभाग के नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा की

निर्माण कार्यों और निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करेंः साव

रायपुर. उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज रायपुर और दुर्ग संभाग के नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं अभियंता को भविष्य की जरूरत के मुताबिक निकाय का विकास करने और सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों और अभियंताओं को अपने मुख्यालय में ही निवास करने को कहा। उप मुख्यमंत्री ने सभी निर्माण कार्यों और निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और उन्हें समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे आवासों के निर्माण में तेजी लाने को कहा। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को सप्ताह में तीन दिन टीम के साथ वार्डों का दौरा कर निर्माण और सफाई कार्यों के निरीक्षण के निर्देश दिए।

सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को सप्ताह में तीन दिन टीम के साथ वार्डों का दौरा कर निर्माण और सफाई कार्यों का निरीक्षण करने कहा

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने रायपुर के सिविल लाइन स्थित नवीन विश्राम भवन में आयोजित बैठक में नगर पंचायतों में अधोसंरचना विकास, राज्य एवं केंद्र प्रवर्तित तथा 15वें वित्त आयोग की राशि से निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने इन नगरीय निकायों में आय-व्यय की स्थिति, कर संग्रहण की स्थिति, प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति, साफ-सफाई की व्यवस्था और वेतन भुगतान की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजू एस., संचालक श्री कुंदन कुमार, सूडा (स्छ) के सीईओ श्री सौमिल रंजन चौबे, नगरीय प्रशासन विभाग के मुख्य अभियंता तथा रायपुर और दुर्ग संभाग के संयुक्त संचालक भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बैठक में अधिकारियों को निर्माण और सफाई कार्यों का मौके पर नियमित निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने प्रत्येक वार्ड के लिए नोडल अधिकारी नामांकित कर हर सप्ताह तीन दिन निकाय के अधिकारियों की टीम और जनप्रतिनिधियों के साथ सफाई और निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने नालियों और सड़कों की साफ-सफाई की पुख्ता मॉनिटरिंग करते हुए वार्डों में अच्छी स्वच्छता सुनिश्चित करने को कहा। साव ने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को संपत्ति कर के साथ ही अन्य करों की वसूली की नियमित समीक्षा करने को कहा। उन्होंने सप्ताह में हर दिन नगर पंचायत की अलग-अलग शाखाओं के काम की समीक्षा करने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

वनवासी श्री राम जी की मूर्ति को विकृत बताना निंदनीय माफी मांगे संस्कृति मंत्री

रायपुर। संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के द्वारा चंदखुरी में स्थापित मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी की मूर्ति को विकृत बताने की कांग्रेस ने निंदा की। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि चंदखुरी में स्थापित मूर्ति वनवासी श्री राम की है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी की मूर्ति को विकृत बताना बेहद आपत्तिजनक एवं निंदनीय है। संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल को अपने इस बयान के लिए राम भक्तों से माफी मांगना चाहिए। असल में भाजपा नेताओं के मन में बदले की भावना के साथ घृणा, कटुता, और अहंकार भरा हुआ है जिसके कारण उन्हें राम जी की मूर्ति में भी विकृति नजर आ रही है। असल में विकृति मूर्ति में नहीं भाजपा नेताओं की मानसिकता में है। जहां हम सब के कण कण में राम है, ऐसा मानते है राम के अनेक रूप हैं, कहीं शबरी के राम को पूजा जाता है, कहीं कौशल्या के राम को, तो कहीं वनवासी राम की छवि दिखती है। अब संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल जी के राम कैसे हैं और उनके मन में राम की छवि कैसी है यह तो वही जानेंगे ? उनके इस बयान से यही समझ आता है कि जा की रही भावना जैसी प्रभु मूरत देखी तिन तैसी।

धमतरी में कार से 24 लाख का गांजा जब्त

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में गांजा से भरे कार को तस्कर पुलिस की डर से छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने कार से अलग-अलग पैकेटों में भरा 162 किलो गांजा को जब्त कर कार्रवाई की है। पुलिस आरोपित को ढूंढने में जुटी हुई है। मेचका पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 23 जनवरी को ग्राम मेचका तिराहा में पुलिस टीम वाहनों की जांच कर रही थी, तभी झरियाबाहरा से नगरी की ओर आ रही एक ग्रे कलर के कार जिसमें काला शीशा लगा हुआ था। जांच के लिए पुलिस ने कार चालक को हाथ मारकर व इशारा करके रोकने कहा, तो कार चालक वाहन को रोकने की बजाय ग्राम मेचका की ओर कार को चलाते हुए भाग निकला। पुलिस ने संदिग्ध होने की संदेह पर वाहन का पीछा किया। ऐसे में कार चालक कार को स्पीड से चलाते हुए ग्राम मेचका डोंगरीपारा की ओर चला गया। इधर मुचकुंद ऋषि पहाड़ी के नीचे आगे रास्ता नहीं होने व पुलिस को पीछा करते देखकर कार को छोड़कर चालक घने जंगल व पहाड़ी की ओर भाग निकला। जब पुलिस पहुंची, तो आसपास वह व्यक्ति नहीं था। संदिग्ध कार की जब पुलिस ने तलाशी ली, तो कार के अंदर 80 पैकेटों में कुल 162.75 किलो ग्राम मादक पदार्थ गांजा मिला।

धान खरीदी की तिथि 1 मार्च तक बढ़ाई जाय

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि 1 मार्च तक धान खरीदी की जाये ताकि लक्ष्य की प्राप्ति हो तथा सभी किसान अपना धान बेच सके। अभी भी 5 लाख से अधिक किसान धान बेच नहीं पाये है, वहीं 21 क्विंटल के हिसाब से पूर्व में 20 क्विंटल धान बेच चुके किसानों से प्रति एकड़ 1 क्विंटल अतिरिक्त धान की खरीदी की जानी है। इस वर्ष के लिए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 135 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया था, तब प्रति एकड़ 20 क्विंटल की खरीदी तय हुआ था, वर्तमान में जब प्रति एकड़ 21 क्विंटल खरीदी के आदेश जारी हो गए है तो लक्ष्य भी बढ़ेगा कम से कम 150 लाख मीट्रिक टन खरीदी पहुंचेगी। इसलिये एक महीने धान की खरीदी बढ़ाई जाये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि किसान धान खरीदी केन्द्रों में अपना धान बेचने पहुंच रहे है लेकिन उन्हें वादानुसार धान की क़ीमत 3100 रु. प्रति क्विंटल नहीं मिल रहा है। लगभग 5 लाख से अधिक किसान अब तक अपना धान नहीं बेच पाए हैं। अनेकों धान खरीदी केंद्रों में टोकन और तौलाई के लिए लंबी-लंबी लाइनें लग रही है। भाजपा सरकार की अवस्था और दुर्भावना के चलते ही किसान तकलीफ़ पा रहे हैं।

'हल्बी बालबोधिनी' पुस्तक का प्रधानमंत्री करेंगे विमोचन

रायपुर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर 'हल्बी बालबोधिनी' पुस्तक का विमोचन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी करेंगें। राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा 2022 के अंतर्गत तीन से आठ साल तक के बच्चों को मातृभाषा, घर की भाषा, तथा आंचलिक भाषा में शिक्षा दान की व्यवस्था की गई है। भारत के आदिवासी बहुल क्षेत्रों के बच्चों को पठन-पाठन में कठिनाई होती है। बच्चों के ज्ञानात्मक स्तर व सामान्य बोली भाषा को ध्यान में रखते हुए भाषा शिक्षण पुस्तक 'हल्बी बालबोधिनी' तैयार की गयी है। हल्बी बालबोधिनी में मातृभाषा हल्बा के साथ हिंदी और अंग्रेजी के शब्दों के साथ चित्र एवं कविता के माध्यम से वर्णमाला, बारहखड़ी, गिनती आदि का समावेश है। यह पुस्तक हल्बा जनजाति क्षेत्र विशेषकर छत्तीसगढ़ के साथ मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा और असम में नया शिक्षा सत्र 2024-25 के लिए भारत सरकार द्वारा राज्य सरकार को उपलब्ध कराई जाएगी।

घास के वस्त्र पहनकर पहुंचे थे नक्सली, 300 जिंदा सेल बरामद

बीजापुर। बीजापुर जिले के घोर नक्सल प्रभावित धर्मावरम कैंप लगातार नक्सलियों के निशाने पर है। पिछले कुछ माह में इस कैंप पर नक्सली कई बार हमला कर चुके हैं, पर हर बार जवानों की वीरता के आगे नक्सलियों को हार ही मिली है। पिछले 16 जनवरी को भी नक्सलियों ने इस कैंप पर हमला किया था, पर इस बार सुरक्षा बल के जवानों ने तगड़ा जवाब देते हुए तीन नक्सलियों को मार गिराया। नक्सल प्रवक्ता की ओर से जारी किए गए एक प्रेस वक्तव्य में मारे गए नक्सलियों के चित्र के साथ स्वीकारा है कि धर्मावरम कैंप में किए गए नक्सली हमले के बाद जवानों की ओर से जवाबी कार्रवाई में नक्सली करटम देवा करिमगुंडम, मुचाकी विक्रम गांव चंदा बीजापुर, मडकम देवा एर्रानपल्ली मारे गए हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 16 जनवरी की रात को 300 से अधिक नक्सली हमला करने पहुंचे थे। धर्मावरम पुलिस कैंप के अंदर प्रवेश करने के लिए नक्सलियों ने नया तरीका अपनाते हुए जंगली घास से बने विशेष वस्त्र धारण कर छद्म रूप धारण किया था। कटर से कैंप की सुरक्षा के लिए घेरे गए कंटीले तार को काटकर वे अंदर प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे।

हमें अपने देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करना चाहिए

हमें अपने देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करना चाहिए- राज्यपाल

रायपुर। राजभवन में आज राज्यपाल श्री श्री विश्व भूषण हरिचंदन के मुख्य आतिथ्य में उत्तर प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश दादर एवं नगर हवेली तथा दमन दीव का स्थापना दिवस रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने इस अवसर पर कहा कि हमें अपने देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करना चाहिए और इस पर गर्व करना चाहिए। केन्द्र सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक दूसरे का स्थापना दिवस मनाते है। इसी कड़ी में राजभवन में उत्तर प्रदेश, मेघालय, में मणिपुर, त्रिपुरा राज्यों और केंद्र शासित दादर एवं नगर हवेली तथा दमन दीव का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राज्यपाल ने स्थापना दिवस के अवसर पर इन राज्यों के लोगों को बधाई दी। राज्यपाल श्री हरिचंदन ने अपने उद्बोधन में कहा कि विभिन्न राज्यों की भाषा, संस्कृति, परंपराओं और प्रथाओं का ज्ञान साझा करने से आपसी समझ और जुड़ाव बढ़ेगा, जिससे भारत की एकता और अखंडता मजबूत होगी। हमारी सांस्कृतिक विरासत, अद्वितीय इतिहास और खान-पान की परंपराए ही हमारी पहचान, स्वाभिमान और समृद्धि का आधार हैं। स्थापना दिवस न केवल हमें किसी राज्य की प्रगति की यात्रा की याद दिलाता है, बल्कि हमारे भविष्य की राह तैयार करने का अवसर भी प्रदान करता है। राज्यपाल ने इन राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशो के इतिहास, संस्कृति, परंपराओं और महत्वपूर्ण विशेषताओं को रेखांकित किया। हमारा देश ''वसुधैव कुटुम्बकम'' की अवधारणा पर आगे बढ़ रहा है। देश में रामराज्य प्रतिष्ठित करना है। सबको एक करके, सबके सुख शांति के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने समन्वित रूप से प्रयास किया। भारत ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व के राजनीतिक पटल पर एक महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया है।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां पूरी

रायपुर। राजधानी रायपुर में गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह पुलिस परेड ग्राउण्ड में सुबह 9 बजे से आयोजित होगा। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन मुख्य समारोह स्थल में ध्वजारोहण कर संयुक्त परेड की सलामी लेंगे। गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। आज पुलिस परेड ग्राउण्ड में फूल डेऊस फायनल रिहर्सल हुई। इस अवसर पर डीजीपी श्री अशोक जुनेजा, कलेक्टर श्री गौरव कुमार सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत अग्रवाल के साथ सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

इसमें 09 सशक्त सुरक्षा बल, नगर सेना पुलिस एवं महिला, एनसीसी गर्ल्स एवं बॉय्ज, घुड़सवार बल, बैंण्ड प्लाटून पुलिस और महिला बैग पाईपर बैंड दस्ता शामिल हैं। इस बार तेलंगाना पुलिस का प्लाटून विशेष रूप से शामिल हैं। संपूर्ण परेड आयोजन के प्रभारी-श्री विवेकानंद सिन्हा हैं। रिहर्सल में आकर्षक मार्च-पास्ट के साथ पदक अलंकरण समारोह और अन्य कार्यक्रमों की पूर्व तैयारियों को परखा गया। राज्यपाल के सुरक्षा अधिकारी श्री अशोक कुमार ने रिहर्सल में राज्यपाल की भूमिका निभाकर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान निर्धारित मिनट टू मिनट कार्यक्रम के अनुसार समारोह की गतिविधियां संचालित की गई। आकर्षक परेड के साथ सशस्त्र बलों की टुकड़ियो द्वारा रिहर्सल में गार्ड ऑफ ऑनर के साथ सलामी दी गई।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.